संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 333
पृष्ठ 8
शनिवार
24 अगस्त 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- चाहिए खूबसूरत सिल्की बाल... विचार- बहुजन जागृति का प्रतीक है भारत.... खेल- बांग्लादेश के दिग्गज क्रिकेटर शाकिब...

नेपाल में यात्रियों को लेकर जा रही बस नदी में गिरी, अब तक 18 की मौत

काठमांडू। मध्य नेपाल में शुक्रवार को एक भारतीय यात्री बस के मर्सियांगडी नदी में गिर जाने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, बस में 40 यात्री सवार थे। इस तरह चालक, सहचालक और कंडक्टर को मिलाकर बस में कुल 43 लोग थे। सभी यात्री महाराष्ट्र के बताए जा रहे हैं। बस ने 8 दिन के परमिट के साथ 20 अगस्त को रूपन्देही के बेलहिया चेक-पॉइंट (गोरखपुर) से नेपाल में प्रवेश किया था। दुर्घटना तनहुन जिले के आइना पहाड़ा में हुई। सशस्त्र पुलिस बल नेपाल आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण विद्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) माधव पौडेल के नेतृत्व में 45 कर्मियों की एक टीम दुर्घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। बचाव अभियान शुरू किया जा चुका है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 18 शव बरामद किए गए हैं। 17 को सुरक्षित बचा लिया गया है। आठ लोग अब भी लापता हैं। जानकारी के मुताबिक, गोरखपुर से यात्रियों को लेकर नेपाल गई एक भारतीय बस शुक्रवार को हादसे का शिकार हो गई। बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी। तनहुन के एसपी बीरेंद्र शाही ने हादसे की जानकारी दी है। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी मौके पर मौजूद हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। बस का नंबर यूपी 53 एफटी 7623 बताया जा रहा है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त ने जारी किया बयान

इस बीच उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त ने कहा कि नेपाल की घटना के संबंध में हम यह पता लगाने के लिए संपर्क स्थापित कर रहे हैं कि क्या बस में उत्तर प्रदेश का कोई व्यक्ति था। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

जुलाई में दो बसें नदी में बह गई थीं

इससे पहले इस साल जुलाई में नेपाल में दो बसों में सवार 65 लोग उफनती त्रिशूली नदी में बह गए थे। तब काठमांडू जाने वाली एंजेल बस और गणपति डीलक्स की बस हादसे का शिकार हुई थीं। बसें काठमांडू से रौतहट के गौर जा रही थीं। घटना क्षेत्र में भारी बारिश के बीच हुई थी।

अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में बढ रहा है भारत : मुर्मु

नयी दिल्ली 23 अगस्त (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अंतरिक्ष में कचरे को अंतरिक्ष मिशनों के लिए समस्या करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत वर्ष 2030 तक अपने सभी अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पिछले वर्ष 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर 'विक्रम' लैंडर के सफलतापूर्वक उतरने की याद में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 'रोबोटिक्स चौलेंज' और 'भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन' के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कहा कि हमें भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। अंतरिक्ष में कचरा अंतरिक्ष मिशनों के लिए समस्याएँ पैदा कर सकता है। उन्होंने 'सुरक्षित और सतत संचालन प्रबंधन के लिए इसरो प्रणाली' की सराहना की, जिसका संचालन अंतरिक्ष अनुसंधान गतिविधियों की निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2030 तक अपने सभी अंतरिक्ष मिशनों को कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि इसरो ने अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने के साथ ही देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने उन समर्पित वैज्ञानिकों की सराहना की जिन्होंने न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंतरिक्ष कार्यक्रमों में शामिल किया । राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि हमारा देश अंतरिक्ष विज्ञान में निरंतर प्रगति करेगा और हम उत्कृष्टता के नए कीर्तिमान स्थापित करते रहेंगे। उन्होंने कहा, "भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति असाधारण है। चाहे सीमित संसाधनों के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया मंगल मिशन हो या एक साथ सौ से अधिक उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण, हमने इस क्षेत्र में कई प्रभावशाली उपलब्धियां हासिल की हैं।" राष्ट्रपति ने कहा कि अंतरिक्ष अन्वेषण ने मानव क्षमताओं को बढ़ाया है और उसकी कल्पना को साकार किया है लेकिन अंतरिक्ष अन्वेषण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। अंतरिक्ष अन्वेषण के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए किए गए शोध से विज्ञान के विकास में तेजी आती है और मानव जीवन में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में विकास से स्वास्थ्य और चिकित्सा, परिवहन, सुरक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण और सूचना प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों को लाभ मिला है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोले जाने से स्टार्ट-अप की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। इससे न केवल अंतरिक्ष अनुसंधान में प्रगति हुई है, बल्कि हमारे युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और निखारने के नए अवसर भी मिले हैं। उन्हें इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कुछ महीने पहले ही एक भारतीय कंपनी ने सिंगल-पीस 3डी प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक इंजन से चलने वाले रॉकेट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जो इस तरह की पहली उपलब्धि थी।

दिल्ली सरकार एमपश्वक्स को लेकर सतर्क : स्वास्थ्य मंत्री भारद्वाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार राजधानी में 'एमपॉक्स' (एमपीओएक्स) की स्थिति को लेकर कड़ी सतर्कता बरतने के साथ घटनाक्रम पर बारीकी से नजर बनाए हुए है। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र और अन्य राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों को ध्यान से देख रही है। उन्होंने कहा, "हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। केंद्र और (अन्य) राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों पर भी हमारी पैनी नजर है।" इस सप्ताह की शुरुआत में दिल्ली सरकार ने एलएनजेपी अस्पताल, जीटीबी अस्पताल और बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल को एमपॉक्स के संदिग्ध और सत्यापित मामलों के प्रबंधन के लिए पृथक कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया था। हालांकि उसने यह भी स्पष्ट किया था कि इस संक्रमण के किसी भी मरीज का पता नहीं चला है। इस संक्रमण के सिलसिले में एलएनजेपी अस्पताल को नोडल अस्पताल के रूप में नामित किया गया है, जबकि आपात स्थिति के लिए दो अन्य को भी तैयार रखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अफ्रीका के कई हिस्सों में इसके व्यापक प्रसार को देखते हुए एमपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात घोषित किया है। इस बीच भारद्वाज ने नए और मौजूदा अस्पतालों में कर्मियों की नियुक्ति में देरी के लिए उपराज्यपाल वी के सक्सेना की आलोचना की। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार बुनियादी ढांचे के विस्तार पर काम कर रही है जिसमें चार नए अस्पतालों का निर्माण और 13 अन्य में सुविधाओं में वृद्धि शामिल है, लेकिन चिकित्सकों और अर्धचिकित्साकर्मियों की नियुक्ति नहीं होने से ये प्रयास अब भी अधूरे हैं।

केंद्र ने राहत कार्यों के लिए जारी किए 40 करोड़ रुपये, बचाव कार्य में जुटे सेना के जवान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की कि केंद्र ने बाढ़ प्रभावित त्रिपुरा में राहत प्रयासों को तेज करने के लिए अग्रिम रूप से 40 करोड़ रुपये जारी करने की मंजूरी दे दी है। शाह ने कहा कि बाढ़ राहत और बचाव कार्यों में राज्य सरकार की सहायता के लिए केंद्र द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 11 टीमें, सेना की तीन टुकड़ियां और भारतीय वायु सेना के चार हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि त्रिपुरा में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए एसडीआरएफ से केंद्रीय हिस्से के रूप में घ्40 करोड़ अग्रिम रूप से जारी करने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा तैनात एनडीआरएफ की 11 टीमें, सेना की 3 टुकड़ियां और वायु सेना के 4 हेलीकॉप्टर पहले से ही राहत और बचाव कार्यों में राज्य सरकार की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे कुछ भी हो, त्रिपुरा में हमारी बहनें और भाई इस कठिन समय से लड़ने के लिए मोदी सरकार को उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े पाएंगे। पुरा में पिछले कुछ दिन में हुई भारी बारिश के कारण कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लापता हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्य में 65,400 लोगों ने 450 राहत शिविरों में शरण ली है, क्योंकि भारी बारिश के कारण उनके घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

महाराष्ट्र में बच्चियों और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं : शरद पवार

नई दिल्ली, एजेंसी। बदलापुर के एक स्कूल में एक पुरुष सहायक ने चार वर्षीय दो बच्चियों का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। इसके विरोध में मंगलवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और रेल पटरियों को अवरुद्ध कर दिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में बच्चियों और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं और गृह विभाग को ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए सतर्क रहना चाहिए। बदलापुर की घटना का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि स्कूल में ऐसा अपराध होना खौफनाक बात है। उन्होंने पुणे में पत्रकारों से कहा कि इसके बाद इस कथित अपराध के खिलाफ बाहर भी विरोध प्रदर्शन हुए। पवार ने कहा, "इस तरह के कृत्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है और सभी ने इसकी मांग की है। राज्य सरकार को ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सतर्क रहना चाहिए। गृह विभाग को जहां भी जरूरत हो, सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।" पवार ने कहा कि ठाणे जिले के बदलापुर कस्बे के एक स्कूल में दो बच्चियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना के बाद राज्य भर से इसी तरह के कई अन्य अपराध के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा, "चाहे छोटी बच्चियां हों या महिलाएं, ऐसे कई अत्याचार सामने आ रहे हैं। दुर्भाग्य से राज्य में दिन-प्रतिदिन इन घटनाओं की संख्या बढ़ती जा रही है और लोग अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए इस पर प्रतिक्रिया कर रहे हैं। शनिवार को एक दिवसीय बंद का आयोजन किया जा रहा है।" विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) ने बदलापुर की घटना के विरोध में 24 अगस्त (शनिवार) को 'महाराष्ट्र बंद' का आह्वान किया है। एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। पवार ने समाज के सभी वर्गों के लोगों से इस बंद में हिस्सा लेने का आग्रह किया। बदलापुर के एक स्कूल में एक पुरुष सहायक ने चार वर्षीय दो बच्चियों का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया।

जमीन हड़पने के मामले में विधायक अब्बास अंसारी को मिली जमानत

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कथित तौर पर बंदूक की नोक पर जमीन का बैनामा कराने के मामले में विधायक अब्बास अंसारी को शुक्रवार को जमानत दे दी। अदालत ने इस मामले में अब्बास अंसारी के रिश्तेदार आतिफ रजा और अफरोज नाम के एक व्यक्ति को भी जमानत दे दी। न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने अब्बास अंसारी की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए यह आदेश पारित किया। मामले के तथ्यों के मुताबिक वर्ष 2023 में फखर नाम के एक व्यक्ति द्वारा गाजीपुर के कोतवाली में अंसारी के खिलाफ एक मामला दर्ज कराया गया था। अंसारी पर आरोप लगाया गया कि 2012 में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बंदूक की नोक पर एक जमीन का बैनामा कराया और जमीन की कीमत अदा नहीं की।

यूक्रेन पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, बापू को दी श्रद्धांजलि

कीव, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यूक्रेन की राजधानी कीव में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोलैंड से ट्रेन के माध्यम से राजधानी कीव पहुंचे। स्टेशन पर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री अपने होटल पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय के लोग भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने एक एक्स पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि कीव में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। बापू के आदर्श सार्वभौमिक हैं और लाखों लोगों को आशा देते हैं। हम सभी मानवता के लिए उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करें। प्रधानमंत्री मोदी एक दिवसीय यात्रा पर कीव पहुंचे हैं। यह एक ऐतिहासिक यात्रा है। दोनों देशों के बीच 30 वर्ष पूर्व राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद यह

किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है। यह यात्रा नेताओं के बीच हाल की उच्च स्तरीय बातचीत पर आधारित होगी।

भारत-अमेरिका मिलकर वैश्विक शांति और समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं : सिंह

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अमेरिका संयुक्त रूप से दुर्जेय शक्ति हैं और ये दोनों मिलकर वैश्विक शांति और समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं। अमेरिका की यात्रा पर गये श्री सिंह ने भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि मोदी सरकार मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाना चाहती है। रक्षा मंत्री ने भारत और अमेरिका को स्वाभाविक सहयोगी बताते हुए कहा कि इनके बीच मजबूत भागीदारी नियति है और इस दिशा में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा, "इससे पहले अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन आज पूरी दुनिया ध्यान से सुन रही है।" श्री सिंह ने कहा कि 2014 से पहले, भारत 'कमजोर पांच' देशों में से एक था, जैसा कि निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा है लेकिन आज यह दुनिया की 'शानदार पांच' अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कंपनी की हालिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि भारत 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रति सरकार की नीतियों ने यह सुनिश्चित किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था अन्य देशों की तुलना में ज्यादा प्रभावित नहीं हुई। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा की, जिसमें 5,000 से अधिक वस्तुओं वाली सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों की अधिसूचना शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि घरेलू कंपनियों द्वारा देश में अत्याधुनिक रक्षा वस्तुओं का निर्माण किया जाए। श्री सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात, जो वर्तमान सरकार के सत्ता में आने से पहले 600 करोड़ रुपये था, अब काफी बढ़कर 21,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों के कारण, देश में स्टार्टअप की संख्या 2014 में लगभग 400 से बढ़कर 1 लाख 20 हजार हो गई। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की नीतियों और योजना के साथ-साथ इच्छाशक्ति को दिया। प्रधानमंत्री के विजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, " हम भारत को मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र के रूप में विकसित करना चाहते हैं।"

प्रयागराज में 63 केंद्रों पर पुलिस भर्ती परीक्षा

पहली पाली का एग्जाम खत्म, तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को सेंटर में दी गई एंट्री, सीसीटीवी कैमरे हुई निगरानी

प्रयागराज। प्रयागराज के 63 परीक्षा केंद्रों पर आज (23 अगस्त) को यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा हुई। परीक्षार्थियों को कड़ी सुरक्षा और जांच के बाद ही सेंटर में प्रवेश दिया गया है। पहली पाली की परीक्षा 12 बजे खत्म हो गई। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे शुरू होगी। जिसको लेकर सेंटर पर परीक्षार्थी पहुंचने लगे हैं।

एग्जाम देने आए सभी बैग और किसी भी तरह के गैजेट अंदर ले जाने की इजाजत नहीं दी गई है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू हुई है। जो दोपहर 12 बजे तक चली। जिसके बाद दूसरी पाली की परीक्षा 3 बजे शुरू होगी।

परीक्षा 23, 24 और 25 अगस्त को होगी। इसके बाद 4 दिन के गैप के बाद 30 व 31 अगस्त को फिर 2 दिन यह परीक्षा कराई जाएगी। प्रत्येक पाली में 22,877 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

पेपर को कड़ी सुरक्षा के बीच डबल लॉक में रखा गया है। इस परीक्षा को लेकर बुधवार को ग्राउंड रिहर्सल भी किया गया ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न होने पाए। सभी सेंटरों पर मजिस्ट्रेट के साथ साथ पुलिस फोर्स तैनात है।

रोडवेज की बसों में नहीं लगेगा किराया

योगी सरकार की निर्देश पर पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों का बस किराया फ्री रहेगा। दरअसल, प्रयागराज के परीक्षार्थियों का सेंटर दूसरे जनपद मे है। ऐसे में परीक्षार्थियों को आवागमन में किसी तरह की असुविधा न होने पाए इसके लिए बसों की संख्या भी बढ़ाई गई है।

फ्री रोडवेज बस सेवा के लिए कैंडिडेट्स को यात्रा के दौरान कंडक्टर को एडमिट कार्ड की एक फोटोकॉपी देनी होगी। बिना फोटोकॉपी दिए वे फ्री यात्रा नहीं कर सकेंगे। एडमिट कार्ड की ये कॉपी आते–जाते समय दोनों तरफ कंडक्टर को देना होगा। इसलिए फ्री यात्रा के लिए एडमिट कार्ड की दो एक्सट्रा प्रिंट आउट साथ रखें।

पुलिस भर्ती परीक्षा में ये चीजें हैं बैन

परीक्षा केंद्रों पर कोई अध्ययन सामग्री (कोई छपा या लिखित), कागज के टुकड़े, किसी भी तरह की घड़ी, मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ज्वैलरी, पर्स, ज्यामितीय, पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, किसी भी तरह का कैलकुलेटर, क्रेडिट कार्ड, स्केल, कॉपी, पेन ड्राइव, इरेजर, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन, स्कैनर, डिजिटल पेन, चाबी, कैमरा, ब्लूटूथ, इयरफोन, पेजर, हेल्थ बैंड, काला चश्मा, हैंडबैग, टोपी, खाने का सामान, सिगरेट, लाइटर, माचिस, गुटखा। पावर वाले चश्मे और धार्मिक पहचान चिह्न जैसे मंगल सूत्र बैन नहीं होंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्थायी जज की शपथ लेंगे 9 अपर–न्यायाधीश

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस दिलाएंगे शपथ, कार्यक्रम के बाद शुरू होगा न्यायिक कार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के 9 अपर न्यायाधीश शुक्रवार को स्थायी न्यायाधीश की शपथ ग्रहण करेंगे। चीफ जस्टिस अरुण भंसाली सुबह 10 बजे अपने चीफ जस्टिस कक्ष में आयोजित समारोह में इन अपर न्यायाधीशों को स्थायी जज की शपथ दिलाएंगे।

शपथ लेने वालों में ये जज शामिल

स्थायी जज की शपथ लेने वालों में न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी, न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम, न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति नंदप्रभा शुक्ला, न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र, न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार, न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल एवं न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल शामिल हैं।

देर से शुरू होगा न्यायिक कार्य

रजिस्ट्रार प्रोटोकॉल आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह के कारण शुक्रवार को न्यायिक कार्य सवा 11 बजे होगा।

गाजीपुर से जुड़े केस में अब्बास अंसारी को जमानत

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला, आतिफ रजा को भी मिली राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विधायक अब्बास अंसारी को बड़ी राहत दी है। जबरन जमीन बैनामा कराने के मामले में अब्बास अंसारी को जमानत मिल गई है। अब्बास अंसारी के साथ ही आतिफ रजा को भी जमानत दी गई है। दोनों के खिलाफ 2023 में गाजीपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज शुक्रवार को मुख्तार अंसारी के बेटे विधायक अब्बास अंसारी की जमानत पर फैसला सुनाया। केस जबरन जमीन का बैनामा कराने से जुड़ा था। दोपहर 2 बजे तक जस्टिस राजबीर सिंह की सिंगल बेंच ने अपना फैसला सुनाया।

साल 2023 में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी समेत अन्य के खिलाफ गाजीपुर कोतवाली में फखर नाम के व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित का आरोप है कि साल 2012 में अब्बास अंसारी और उनके साथियों ने पिस्टल सटाकर जमीन का बैनामा करा लिया था।

अन्य मामले के चलते जेल में रहेगा अब्बास अंसारी

सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1 अगस्त को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस राजबीर सिंह की सिंगल बेंच ने पूरे प्रकरण में सुनवाई की है। फिलहाल, गाजीपुर के अन्य केस के चलते अब्बास को जेल में ही रहना पड़ेगा।

प्रयागराज में युवक की गोली मारकर हत्या

इरादतगंज हवाई पट्टी पर कनपटी में सटाकर मारी, गले से लिपटी मिली जंजीर

प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक की कनपटी में सटाकर गोली मारी गई है। लाश को देखकर ऐसी आशंका जताई जा रही है कि देर रात उसका

मर्डर किया गया है। मौके पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौजूद है।

पूरा मामला, यमुनानगर के घूरपुर थाना क्षेत्र का है। यहां थाने से महज 2 किलोमीटर दूर इरादतगंज हवाई पट्टी इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। सूचना पाकर सुबह मौके पर पहुंची घूरपुर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। फोरेंसिक के अलावा डॉग स्क्वायड की टीम भी बुलाई गई है।

युवक की शिनाख्त के प्रयास जारी

युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने इलाके के लोगों से पूछताछ की है। युवक के गले में लोहे की जंजीर पड़ी मिली है। आशंका है कि बंधक बनाकर युवक की हत्या की गई है।

प्रयागराज में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

25 दिन पहले बेटे को दिया था जन्म, ससुराल और मायके पक्ष में मचा कोहराम

मेजा। प्रयागराज के मेजा में कोरांव थाना क्षेत्र के कपासी कला गांव में बीती रात एक विवाहिता ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर लिया। मामले की जानकारी सुबह जब परिजनों को हुई, तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदे से शव को उतारकर कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, कपासी कला गांव निवासी गुलाब शंकर के बेटे मान सिंह की शादी आज के 3 साल पहले मिर्जापुर जनपद के विंध्याचल थाना अंतर्गत जोपा गांव निवासी सुनील कुमार की पुत्री संजना सिंह के साथ हुआ थी।

आत्महत्या के कारणों का पता नहीं

संजना के पति मिर्जापुर जनपद के हलिया ब्लाक अंतर्गत बरी गांव के प्राथमिक विद्यालय में बतौर शिक्षक पद पर कार्यरत हैं। बीती रात को किस वजह से संजना ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

सूचना जब मायकों वालों को हुई तो वे भी ससुराल पक्ष के साथ आज दोपहर को थाने पर पहुंच गए। जहां पंचनामा की कार्रवाई के बाद मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मृतका के मायके वालों की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। उनका कहना है कि पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे तहरीर दी जाएगी।

मृतका संजना सिंह के पिता सुनील कुमार ने बताया कि बीती रात को बेटी से फोन पर बात भी हुई थी। लेकिन किसी भी प्रकार के विवाद की कोई जानकारी नहीं दी थी। संजना अपने पीछे सिर्फ 25 दिन के दुधमुहे मासूम बेटे को छोड़कर चली गई। हादसे को लेकर ससुराल और मायके पक्ष के लोगों में कोहराम मचा हुआ है।

मामले मे कोराव थानाध्यक्ष शैलेंश सिंह ने बताया कि शव पीएम भेजकर जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट की एफआईआर रद की

कानपुर के केस में कोर्ट ने कहा– गैंग चार्ट में सक्षम प्राधिकारी की संतुष्टि दर्ज करना जरुरी है

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि गैंग चार्ट तैयार करते समय नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी की संतुष्टि दर्ज करना जरूरी है। बिना संतुष्टि दर्ज किए प्रोफार्मा पर हस्ताक्षर कर बने गैंग चार्ट के आधार पर गैंग्स्टर एक्ट के तहत एफआईआर विधि विरुद्ध होगी। कोर्ट ने कानपुर नगर के गुजैनी थाने में व्यवसायी सुमित अवस्थी व दो अन्य के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में 30 अक्टूबर 23 को दर्ज एफआईआर रद्द कर दी और नियमानुसार गैंग चार्ट बनाने की छूट दी है।

यह आदेश न्यायमूर्ति वी के बिड़ला तथा न्यायमूर्ति ए के सिंह

देशवाल की खंडपीठ ने कानपुर के व्यवसाई सुमित अवस्थी की याचिका पर दिया। इनका कहना था कि गैंगस्टर एक्ट के तहत बने रुल्स 16 व 17 के तहत जिलाधिकारी की संतुष्टि दर्ज किया जाना जरूरी है। उन्होंने ने सुप्रीम कोर्ट के सन्नी मिश्र केस के फैसले व 21 जनवरी 24 को जारी सरकारी परिपत्र का हवाला दिया। कहा– प्रिंटेड प्रोफार्मा पर हस्ताक्षर कर गैंग चार्ट तैयार किया गया है। विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसलिए एफआईआर रद्द की जाय।

सरकारी वकील ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी से गैंग चार्ट अनुमोदित है। हालांकि जिलाधिकारी ने संतुष्टि दर्ज नहीं की है।

कोर्ट ने कहा रूल्स 17(2) के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल कर संतुष्टि दर्ज करना अनिवार्य है। प्रिंटेड प्रोफार्मा पर हस्ताक्षर कर गैंग चार्ट की मंजूरी नियमों का उल्लघंन है। जिसके आधार पर दर्ज एफआईआर रद्द किए जाने योग्य है।

कोर्ट ने कहा सक्षम प्राधिकारी का कर्तव्य है कि अनुमोदित करने से पहले वह यह देखे कि गैंग चार्ट तैयार करने में नियमों का पालन किया गया है या नहीं।डी जी पी के 19 जनवरी 24 व मुख्य सचिव के 21 जनवरी 24 व सुप्रीम कोर्ट के सन्नी मिश्र केस के निर्देश का पालन नहीं किया गया है।

एसआरएन अस्पताल में आज से सभी ओपीडी शुरू

प्रयागराज में 11 दिनों से हड़ताल पर चल रहे थे रेजिडेंट डॉक्टर

प्रयागराज। प्रयागराज के SRN (स्वरूपरानी नेहरू) अस्पताल में आज शुक्रवार से सभी ओपीडी सामान्य दिनों की तरह चलेगी। पिछले 11 दिनों से जो रेजिडेंट डॉक्टर कार्य बहिष्कार करते हुए हड़ताल पर चले गए थे उन्होंने गुरुवार रात को हड़ताल खत्म करने की घोषणा कर दी थी। अब आज से अस्पताल के सभी डॉक्टरों की ओपीडी चलेगी।

दरअसल, पिछले 10–11 दिनों से एसआरएन अस्पताल में मरीजों को इलाज नहीं मिला और वह इलाज के लिए भटकते रहे। दूसरे शहरों से भी बड़ी संख्या में मरीज जानकारी न होने की दशा में अस्पताल पहुंच रहे थे लेकिन हड़ताल के चलते वह बिना इलाज के ही लौट जा रहे थे।

कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर से दरिंदगी के विरोध में थे डॉक्टर

दरअसल, पिछले दिनों कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की ट्रेनी डॉक्टर के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया था। उसकी रेप और हत्या के बाद से ही देश भर के रेजिडेंट डॉक्टर्स हड़ताल पर चल गए थे।

एसआरएन में रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. सचिन कुमार की अगुवाई में मेन गेट पर सभी धरने पर बैठ गए थे।

प्रयागराज में 40 फीट गहरे कुएं में गिरा किसान, मौत

सामान खरीदने साइकिल से दुकान गया था, कुआं बीच-बाजार होने से हुआ हादसा

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में 40 फीट गहरे कुएं में गिरने से किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने शव को बाहर निकालकर अंतिम संस्कार कर दिया। मैलहन बाजार स्थित निष्प्रयोज्य हालत में पड़े करीब 40 फिट गहरे को ढकने की शिकायत की गई। लेकिन उसे नहीं ढका गया।

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के मैलहन गांव की हरिजन बस्ती का रहने वाला नंदलाल (45) सुबह करीब मैलहन बाजार में कुछ सामानों की खरीददारी करने के लिए साइकिल से पहुंचे। साइकिल खड़ी कर एक इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान पर जा रहे थे।

इसी बीच बगल में सालों पुराने निष्प्रयोज्य हालत में पड़े कुएं में अचानक गिर गया। करीब घंटे भर की मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक को तीन बेटी व दो बेटे हैं। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

कई बार हुई शिकायत, फिर भी नहीं ढका गया निष्प्रयोज्य कुआं

मैलहन बाजार में सालों पुराने निष्प्रयोज्य कुएं के जल का पहले पेयजल के साथ ही सिंचाई में प्रयोग किया जाता था। लेकिन दूषित पानी हो जाने की वजह से अब इसे निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया गया है। कुआं बीच बाजार में होने के चलते सदैव ही खतरा बना रहता है।

बाजार वासियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार खंड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी व प्रधान से कुएं को ढकने के लिए कहा गया। लेकिन किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। वही इसी कुएं में गिरकर किसान की मौत हो गई।

संस्कृत के बिना भारतीय संस्कृति की कल्पना नहीं

प्रयागराज। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों से संस्कृत सप्ताह आयोजन के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं के साथ उनके विद्यालयों के अध्यापक–अध्यापिकाएँ भी सम्मिलित रहे। प्रत्येक प्रतिस्पर्धा में विजयी छात्र–छात्राओं को उक्त कार्यक्रम में पुरस्कृत भी किया गया। परिसर में आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की । अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो. देवदत्त सरोदे ने संस्कृत भाषा को भारतीय ज्ञान परम्परा की भाषा बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बृजेश कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर, सारस्वतातिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हरिदत्त शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री प्रमोद पण्डित रहे। श्री बृजेश कुमार मिश्र ने अपने उद्‌बोधन में संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के बिना भारतीय संस्कृति की कल्पना नहीं की जा सकती। संस्कृत भाषा को उन्होंने

विश्व की प्राचीनतम एवं वैज्ञानिक भाषा बताया। उन्होंने ऋषियों को मंत्रों का दृष्टा एवं भगवान शिव को मंत्रों का सृष्टा बताया। संस्कृत भाषा में अग्नि के विशेष महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अग्नि को तेज का प्रतीक बताया एवं जीवन के सभी संस्कारों में अग्नि को सम्मिलित बताया। उन्होंने संस्कृत भाषा को सम्पूर्ण विश्व को परिवार मानने वाली भाषा बताया। प्रो. हरिदत्त शर्मा ने सभी पुरस्कृत किये गये छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें आगे और बड़ी प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होने को प्रेरित किया। भारत के चन्द्रयान मिशन की सफलता को प्रेरित करने वाली बताते हुए उन्होंने अपनी स्वरचित कविता चन्द्रयान का उल्लेख किया । श्री प्रमोद पण्डित ने संस्कृत को राष्ट्रसेवा का माध्यम बनाने को प्रेरित किया। कार्यक्रम के मध्य में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर परिसर के संगणक विशेषज्ञ राजेशकान्त तिवारी ने चन्द्रयान मिशन से सम्बन्धित विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों को प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने चन्द्रयान मिशन से सम्बन्धित सम्पूर्ण अभियान का बहुत ही सजीव वर्णन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने सभी पुरस्कृत छात्र–छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। जिन प्रतियोगियों ने कोई पुरस्कार प्राप्त नहीं किया उन्हें भी प्रेरित करते हुए बताया कि सभी कुछ चलायमान एवं गतिमान है। असफलता भी आपकी सफलता का सोपान है। उन्होंने संस्कृत भाषा को ज्ञान विज्ञान के साथ ही संस्कृति की भाषा बताया। संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित गीता पाठ प्रतियोगिता (आधुनिक) में महर्षि पतंजलि विद्या मन्दिर के आर्यमान अग्रहरि एवं सानवी बसु ने प्रथम, अर्नव ओझा ने द्वितीय तथा आरिया मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गीता पाठ प्रतियोगिता (पारम्परिक) में महर्षि भारद्वाज वेद विद्यालय के छात्रों शिवम शुक्ला ने प्रथम, शिवांश मिश्रा ने द्वितीय तथा आनन्द पाण्डेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

लोक पाठ प्रतियोगिता (उभय) में सेन्ट एन्थोनी कॉन्वेन्ट गर्ल्स इन्टर कॉलेज की अनम फातिमा और स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के सफल तिवारी ने संयुक्त रूप से प्रथम, सेन्ट एन्थोनी कॉन्वेन्ट गर्ल्स इन्टर कॉलेज की श्रेया शुक्ला, महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज की उन्नति यादव, सेन्ट एन्थोनी कॉन्वेन्ट गर्ल्स इन्टर कॉलेज की सुनीति त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उमंग पाण्डेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत भाषण प्रतियोगिता (उभय) में भगवत देशिक संस्कृत विद्यालय के धीरज पाण्डेय ने प्रथम, स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के पंकज शुक्ला ने द्वितीय तथा आदर्श तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता (उभय) में केन्द्रीय विद्यालय ओल्ड कैन्ट की स्वाती पाल एवं श्री सच्चा अध्यात्म संस्कृत महाविद्यालय के आदित्य शुक्ला संयुक्त रुप से प्रथम, महिला सेवा सदन की वैष्णवी सहाय एवं श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय के सुधांशु मिश्रा ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा सेन्ट एन्थोनी कॉन्वेन्ट गर्ल्स इन्टर काले ज की वैष्णवी पाण्डेय एवं स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के अस्मित त्रिपाठी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रो. अपराजिता मिश्रा ने किया जिसमें 100 से भी अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग लिया। महाविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं का संचालन डा. मनीष जुगरान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. मोनाली दास एवं कार्यक्रम का संचालन डा. मनीष जुगरान ने किया । इस अवसर पर प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. रामरूप, श्री राजेशकान्त तिवारी, सुश्री अश्विनी राजेश लेके, शुभश्री दास, अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय मिश्र तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण तथा शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

शोक संवेदना देने पहुंचे एन यू जे के पदाधिकारी गण पत्रकार देवेंद्र त्रिपाठी के घर

प्रयागराज। पत्रकार देवेंद्र त्रिपाठी के पिता जी के असमायिक निधन पर उनके पैतृक आवास नबाबगंज जाकर नेशनल यूनियन

ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज इकाई के जिला संयोजक कमल कुमार श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव जिला महामंत्री राजीव सिंह संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेशचद्रं श्रीवास्तव उपाध्यक्ष धर्मेंद श्रीवास्तव मंत्री मधुर दरबारी तथा एनयूजे लखनऊ इकाई के मंत्री नागेद्रं सिंह पत्रकार तथा एनयूजे प्रयागराज के पूर्व कोषाध्यक्ष के पिता जी के असमायिक निधन पर अपनी संवेदना प्रकट की साथ ही हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया।

सिपाही भर्तीः पेपर लीक कराकर वसूली की कोशिश, पूर्व मंत्री के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के 60244 पदों के लिए शुक्रवार से प्रदेश में शुरू हो रही लिखित परीक्षा से पहले पेपर लीक करवाने का दावा कर जालसाज ठगी करने की कोशिश में हैं।जालसाज सोशल मीडिया पर हर कीमत पर पेपर मुहिया करवाने का दावा कर अभ्यर्थियों को क्यूआर कोड भेजकर रकम ट्रांसफर करने की बात कह रहे हैं। मामला सामने आने के बाद यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड की तरफ से लखनऊ के हुसैनगंज थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। एफआईआर में समाजवादी पार्टी सरकार में मंत्री रहे यासर शाह को भी आरोपी बनाया गया हैं। पुलिस की तरफ से अभ्यर्थियों से अपील की है कि किसी भी तरह के झांसे में न आएं। एफआईआर के मुताबिक यासर शाह ने अपने एक्स एकाउंट /लेर्तीीत्रेच से पेपर लीक का असत्य, अपमानजनक पोस्ट किया।यासर शाह ने अलग–अलग ग्रुप और एकाउंट बनाए।टेलीग्राम एप पर 11 चौनलों पर पेपर लीक से जुड़े मैसेज वायरल किए गए। मुख्य रूप से दो चौनलों ने पेपर लीक के मैसेज वायरल किए।पेपर के बदले क्यूआर कोड भेज कर रकम मांगी गई।टेलीग्राम पर चल रहे चौनल /नचच चंचमत समां 2024,/च्त्व्श्र् श्र्ज्नक्म्छज, /टम्छब्ड के अलावा आदित्य तोमर के टेलीग्राम अकाउंट से फर्जी प्रश्नों को वायरल कर रुपयों की मांग की जा रही है। कई टेलीग्राम अकाउंट से भी फर्जी प्रश्न के बदले रकम मांगी जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचनाः 12/2024 | दिनांकः 20.08.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्याः 19246734	ईएमडी (रू.)ः ₹ 2,83,140/-
विवरणः ड्राइवर सीट की पूरी असेंबली सीएलडब्लू ड्राइंग नंबर 1211-01.131-001 या नवीनतम के अनुसार।	
मात्राः 242 नग	निविदा खुलने की तिथिः 17.09.2024

नोटः- (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण- IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं कि जायेगी। वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III, Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट पर http://www.ncr.indianrailways.gov.in अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1482/24 (A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

जो भी अफवाह फैलाएगा उस पर सख्त कार्रवाई होगी, डीजीपी प्रशांत कुमार ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती के लिए दोबारा होने वाली लिखित परीक्षा आज यानी 23 अगस्त को शुरू हुई थी। पहली पाली की परीक्षा पूरी हो चुकी है और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर तीन बजे से पांच बजे तक चलेगी। परीक्षा के दौरान डीजीपी प्रशांत कुमार ने लखनऊ के गोमतीनगर स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज में निरीक्षण किया। डीजीपी अलग–अलग परीक्षा केंद्र पर पहुंचे और कहा कि जो भी अफवाह फैलाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा का जायजा लेते हुए डीजीपी ने कहा कि पूरी उप्र पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने में लगी है। किसी भी विभाग का कोई भी अधिकारी, कर्मचारी परीक्षा गड़बड़ी में लिप्त होगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि 67 जिलों में 2 पाली में परीक्षा कराई जा रही। 48 लाख से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा देंगे और 6 लाख से अधिक परीक्षार्थी अन्य राज्यों से है। परीक्षार्थियों के लिए स्पेशल ट्रेन और फ्री बस सेवा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि एसटीएफ व इंटेलिजेंस समेत सभी सुरक्षा एजेंसियां कड़ी निगरानी कर रही हैं। पेपर लीक को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जा रही है। कहीं से किसी तरह की गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं है। सिपाही भर्ती लिखित परीक्षा की पहली पाली समाप्त हो गई है। इस पाली में 81 केंद्रों पर 28115 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दरअसल, लखनऊ में 81 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। इसके लिए

39062 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें से 10947 परीक्षार्थियों परीक्षा नहीं दी। पहली पाली की परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गई है। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी गई और सुरक्षा और निगरानी के लिए पुलिसकर्मी तैनात किए गए। सिपाही भर्ती परीक्षा 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को दो–दो पालियों में होगी, जिसमें कुल 48,17,441 अभ्यर्थी हिस्सा ले रहे हैं। परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए 2,300 मजिस्ट्रेट व 25 हजार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इंटरनेट मीडिया पर 11 टेलीग्राम चौनलों के माध्यम से पेपर लीक होने का झूठा दावा कर अभ्यर्थियों से ठगी का प्रयास करने वालों के विरुद्ध पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड की ओर से लखनऊ की हुसैनगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

थाने में पड़ा छापा, दीवार फांदकर भागा रिश्वतखोर कोतवाल

7 लाख लेकर दो तस्करों को छोड़ने का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद के फरीदपुर थाने में तैनात दारोगा द्वारा रिश्वत लेकर तस्करों को छोड़े जाने का मामला सामने आने के बाद एसएसपी के निर्देश पर सीओ ने छापेमारी की। छापेमारी की जानकारी मिलते ही एसएचओ फरार हो गया। अधिकारी द्वारा थाने में छापेमारी की सूचना मिलने की जानकारी इंस्पेक्टर को पहले ही मिल गई थी। अधिकारी के गाड़ी के सायरन की आवाज सुनने के बाद इंस्पेक्टर तत्काल थाने की दीवार को फांदकर भाग निकला। इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। सीओ गौरव सिंह द्वारा इंस्पेक्टर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। फरार इंस्पेक्टर की तलाश के लिए पुलिस की टीम लगा दी गई है। मामले की जानकारी होने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा सोशल साइट एक्स्स पर मैसेज पोस्ट करते हुए भारतीय जनता पार्टी को घेरने के साथ ही इसपर सवाल उठाए हैं। एसएसपी बरेली अनुराग आर्य को जानकारी मिली थी कि फरीदपुर थाना प्रभारी रामसेवक द्वारा बुधवार की रात में तीन स्मैक तस्करों को पकड़ा गया था। पकड़े जाने के बाद गुरुवार को इंस्पेक्टर में तस्करों से डील की। उसके बाद सात लाख रुपए मिलने के बाद इंस्पेक्टर द्वारा दो तस्करों को छोड़ दिया गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद एसएसपी बरेली ने तत्काल एसपी दक्षिण मानुष परीख को थाने पर भेजा। इस दौरान उनके साथ सीओ फरीदपुर भी पहुंचे। थाने में अधिकारियों द्वारा छापा मारने की जानकारी इंस्पेक्टर को हो गई और अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही इंस्पेक्टर वहां से फरार हो गया। पुलिस अधिकारियों ने उसके कमरे में छापेमारी की तो उसके कमरे से नोटों की गड्डी बरामद की गई।

सीएम योगी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से की शिष्टाचार भेंट, समय देने पर जताया आभार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दिल्ली में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। उप राष्ट्रपति के आवास पर पहुंचकर सीएम योगी ने उनका हालचाल जाना। वहीं उप राष्ट्रपति ने सीएम योगी की सराहना की। उप राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के विकास मॉडल की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि माननीय उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए आपका हार्दिक आभार। दूसरी तरफ, उपराष्ट्रपति के 'एक्स' हैंडल से भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मुलाकात की फोटो पोस्ट करते हुए जानकारी दी गई।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज गर्वी (जूनियर डिवीजन) इलाहाबाद

वाद संख्या 868 — सन 2023

श्रीमती शान्ती देवी पुत्री स्व. हीरा पत्नी स्व. पूर्णमासी निवासिनी मकान नंबर 2ए मिंटो रो. राजापुर परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज।

...वादिनी

बनाम

1. **मो. अरशद** पुत्र स्व. इब्राहिम निवासी मकान नंबर 239 बेली गाँव परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज, 2. **एस. हुसैन** पुत्र शमशुल जुहा निवासी मकान नंबर 200/265 बेली गाँव परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज, 3. **मो. सैफी** पुत्र जुम्मन निवासी मकान नंबर 199/142 बेली गाँव परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज

...प्रतिवादीगण

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 09 के 04** दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय कि मुहर सहित आज 20/08/2024 के दिवस को निकाला गया ।
ता.पेशी **04/09/2024**

न्यायाधीश

बेदख़ली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **पुत्र वयस्क आशीष कुमार गुप्ता पुत्र राज कुमार गुप्ता दिनांक 25/03/2019 को आरती** पुत्री वल्ले निवासिनी वलकरनपुर सोरावँ चाद से गैर जातीय विवाह कर लिया है और विवाहोपरान्त वह पत्नी के घर पर निवास करता है । हम माता-पिता, भाई-बहन आदि से कोई संबंध नहीं रखता है । ऐसी स्थिति में हम आशीष कुमार गुप्ता को **अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं** । एवं उसके किसी भी कार्य के उत्तरदाई नहीं होंगे ।

राजकुमार गुप्ता, पुत्र अमरनाथ गुप्ता,
निवासी डोमनी मऊ मोहम्मदपुर नौगावाँ
थाना व तहसील सोरावँ प्रयागराज ।

संक्षिप्त

दिव्यांग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

दिव्यांग विद्यार्थी समय से करे आवेदन : नरेंद्र कश्यप

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने बताया कि केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है। पात्र दिव्यांग विद्यार्थियों से अपील की है कि वे समय पर आवेदन करें।संयुक्त निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग रणजीत सिंह ने बताया कि दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए संचालित केन्द्र पोषित प्री–मैट्रिक, पोस्ट–मैट्रिक और टॉप क्लास छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल और इसके मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से किए जा सकते हैं। प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त है, जबकि पोस्ट–मैट्रिक और उच्च श्रेणी शिक्षा छात्रवृत्ति के लिए अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। योजना संबंधी विवरण, दिशा–निर्देश और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी छात्रवृत्ति संबंधी वेबसाइट www.scholarships.gov.in और www.depwd.gov.in पर उपलब्ध है।

आईटीआई प्रवेश का द्वितीय चरण और प्रथम चरण का चयन परिणाम घोषित

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, अलीगंज, लखनऊ ने सत्र 2024–25 एक वर्षीय और सत्र 2024–26 दो वर्षीय के द्वितीय चरण और प्रथम चरण के आवंटन के पश्चात उच्चीकरण का चयन परिणाम घोषित कर दिया गया है। द्वितीय चरण के प्रवेश की तिथियां 23 अगस्त से 28 अगस्त तक निर्धारित की गई हैं, जिसमें छुट्टियां भी शामिल हैं। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से आग्रह किया गया है कि वे समय पर अपने दस्तावेजों के साथ चयनित संस्थान में पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण करें। विशेष सचिव व अधिशासी निदेशक व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग अभिषेक सिंह ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को उनके चयन की जानकारी एसएमएस के माध्यम से भी भेजी जा रही है। जिनका चयन नहीं हुआ है, उनकी रैंक की जानकारी भी वेबसाइट पर प्रदर्शित होगी। उन्हें अगले प्रवेश चरण की प्रतीक्षा करनी होगी। प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र के साथ अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों, अंक पत्रों की प्रमाणित प्रतियां और दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर संबंधित संस्थान के प्रधानाचार्य से सम्पर्क करना होगा। संस्थान में चयन लिस्ट से जांच के बाद प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होगी। अभ्यर्थी परिणाम http://www.scvtup.in या http://www.upvesd.gov.in/dte वेबसाइट पर देख सकते हैं।

राजधानी के कई इलाकों तेज बारिश, शहर की सभी सड़कों पर भरा पानी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में दोपहर बाद कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। बादल गरज–चमक रहे हैं। हजरतगंज, चौक, गोमतीनगर, चारबाग समेत शहर के सभी इलाकों में बारिश में लोग बचते दिख रहे हैं। कई जगहों पर जलभराव भी हुआ है। करीब 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू हुई बरसात 4 बजे के बाद भी जोरदार रही। 40 मिनट की बारिश में ही पुराने लखनऊ के घंटाघर और इमामबाड़ा क्षेत्र में हुआ जल भराव हो गया है। घंटाघर में दुकानों के सामने जलभराव से दुकानदार और ग्राहक परेशान दिखे।

सम्पादकीय.......

दूध की सुध

यह मानवीय मूल्यों के पराभव की पराकाष्ठा है कि दूध की जगह रासायनिक पदार्थों से बना जहरीला पदार्थ धड़ल्ले से बिक रहा है। हकीकत में दूध दुनिया में सबसे ज्यादा मिलावटी खाद्य पदार्थ है, लेकिन भारत में यह संकट बड़ा है। वैसे भारत पिछले दो दशक से दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। लेकिन लगातार पशुधन संख्या में गिरावट के बावजूद दूध से जुड़े आंकड़े संदेह भी पैदा करते हैं। दूध में पानी मिलाने की कथाएं तो सदियों पुरानी हैं। लेकिन हाल के दशकों में उन खबरों ने डराया है, जिनमें कहा गया कि आपराधिक मानसिकता के मुनाफाखोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, ग्लुकोज और फॉर्मेलिन आदि मिला रहे हैं। विडंबना देखिये कि सदियों से कहा जाता रहा है कि दूध बलवर्धक व स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है। आज के दौर में खाने–पीने की चीजों में तमाम रासायनिक पदार्थों की मिलावट के बाद एक दूध से उम्मीद होती है कि बच्चे दूध पीकर तंदुरुस्त बनें। लेकिन जब वे रासायनिक पदार्थों से बना दूध पीएंगे तो उनका क्या स्वास्थ्य सुधरेगा? कल्पना कीजिए कि किसी मरीज को डॉक्टर स्वस्थ होने के लिये दूध पीने को कहे और वह नकली दूध पीने से और बीमार पड़ जाए। वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशनों व बस स्टैंडों पर भी लगातार नकली दूध की चाय बिकने की शिकायतें आती रही हैं। कुछ वर्ष पहले उ.प्र. के एक रेलवे स्टेशन में सफेद रंग से बने दूध की चाय बिकने की शिकायत सामने आई थी। लेकिन इसके बावजूद इस मिलावट पर अंकुश लगाने के लिये हितधारकों की तरफ से कोई गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते। यह दुखद ही है कि हर घर में प्रयुक्त होने वाले दूध की गुणवत्ता में भारी गिरावट के बाद भी शासन–प्रशासन की दृष्टि में यह गंभीर मुद्दा नहीं है। न ही राजनीतिक दल ही इस गंभीर मुद्दे को संबोधित करते हैं। जिसकी वजह से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद हैं। बहरहाल, आज यदि समाज में सेहत के लिये घातक रासायनिक पदार्थों से बना नकली दूध धड़ल्ले से बिक रहा है तो स्वाभाविक प्रश्न है कि जिन खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के पास खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने का जिम्मा है, क्या वे ईमानदारी से अपने दायित्वों को निभा रहे हैं? दरअसल, इन मलाईदार पदों पर नियुक्ति में जिस तरह धनबल व राजनीतिक बल चलता है, वह पद कालांतर सोने का अंडा देने वाली मुर्गी में बदल जाता है। तभी दिवाली आदि त्योहारों में मिठाई के लिये बाजार में दूध, मावे और पनीर की बाढ़ आ जाती है, लेकिन ऐसी स्थिति वर्ष के शेष महीनों में नहीं होती। सवाल स्वाभाविक है कि दिवाली व अन्य त्योहारों के समय दूध व उसके उत्पादों से जो बाजार भर जाता है, साल के शेष महीनों में वह दूध आदि क्यों नजर नहीं आता? इस खेल की तह तक जाने की जरूरत है। वहीं क्या उपभोक्ताओं को मिलावटी दूध से स्वास्थ्य को पैदा होने वाले खतरों के प्रति जागरूक किया जाता है? विडंबना देखिए कि पंजाब, जहां प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता देश में सर्वाधिक है, वह मिलावटी दूध के दाग को धोने के लिये संघर्षरत है। पिछले तीन वर्षों में राज्य में एकत्र किए गए दूध व दूध से बने उत्पादों के लगभग 18 प्रतिशत नमूने फेल हुए हैं। वहीं दूध–दही के खाने के लिये प्रसिद्ध हरियाणा में भी 28 फीसदी नमूने मानक कसौटी पर खरे नहीं उतरे । जैसे–जैसे त्योहारी सीजन नजदीक आ रहा है नमूने भरने, तलाशी लेने और मिलावट करने वालों की धरपकड़ की रस्मी कार्रवाई तेज हो जाएगी। लेकिन अब तक सुना नहीं गया कि किसी दोषी को कोई बड़ी सजा मिली हो। दरअसल, इन मामलों में कड़ी सजा न मिलने से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद रहते हैं। उन्हें पता है कि आखिरकार येन–केन–प्रकारेण वे बच ही जाएंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि आम उपभोक्ता के लिये दूध में मिलावट की पहचान करने वाली किट बाजार में सहजता से उपलब्ध हों। इस किट को किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल तथा सटीक जानकारी देने वाला बनाया जाए। खाद्य सुरक्षा एजेंसियों को उत्पादों की जांच, नमूने लेने तथा दोषी पाये जाने पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

बहुजन जागृति का प्रतीक है भारत बंद

एजेंसी

अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों में क्रीमीलेयर को मिल रहे आरक्षण तथा कोटा के भीतर कोटा बाबत शीर्ष न्यायालय के फैसलों से नाराज दलित संगठनों ने इस राष्ट्रव्यापी बन्द का ऐलान किया था। कोर्ट ने कहा था कि सरकार चाहे तो कोटे के भीतर कोटा तय कर सकती है।

आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये कतिपय निर्णयों के खिलाफ बुधवार को आयोजित सफल भारत बन्द इस बात का प्रतीक है कि अपने अधिकारों को लेकर दलित, ओबीसी एवं आदिवासी वर्ग फिर से जागरूक हो चले हैं। अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों में क्रीमीलेयर को मिल रहे आरक्षण तथा कोटा के भीतर कोटा बाबत शीर्ष न्यायालय के फैसलों से नाराज दलित संगठनों ने इस राष्ट्रव्यापी बन्द का ऐलान किया था। कोर्ट ने कहा था कि सरकार चाहे तो कोटे के भीतर कोटा तय कर सकती है। यह संविधान के अनुच्छेद 341 के खिलाफ नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि राज्य सरकारें इस बाबत मनमर्जी फैसला नहीं कर सकतीं। कोर्ट ने दो शर्तें भी लगाई हैं। उसने साफ किया है कि एससी के भीतर किसी एक ही जाति को शत–प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जा सकता और एससी में शामिल किसी जाति का कोटा तय करने से पहले उसकी हिस्सेदारी का पुख्ता डेटा होना चाहिये। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय उन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए फैसला दिया था जिनमें कहा गया है कि आरक्षण का फायदा कुछ ही जातियों को मिल रहा है और अनेक जातियां इससे वंचित हैं। दलित संगठनों के इस बंद को बहुजन समाज पार्टी, भीम आर्मी, भारत आदिवासी पार्टी आदि ने भी समर्थन दिया था। अनेक राज्यों में यह बेहद सफल रहा है। इन संगठनों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बंद में शामिल रहे। उनकी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट इस फैसले को वापस ले या पुनर्विचार करे। भारत बंद के अनेक राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसे हाल के दिनों की एक महत्वपूर्ण परिघटना मानना चाहिये क्योंकि पिछले लगभग एक दशक से जो दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्ग सड़कों की लड़ाई छोड़ चुका था और उनके नेताओं ने अपने ही वर्गों के हितों को दरकिनार कर दिया था, वे भी साथ खड़े और उनके पक्ष में लड़ाई करते हुए दिखे। बसपा प्रमुख मायावती, जिन पर अक्सर भारतीय जनता पार्टी की श्बीश टीम होने का आरोप लगता रहा है, किसी आंदोलन का सीधा समर्थन करती दिखीं। हालांकि यह आंदोलन सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ कहा जा रहा है परन्तु उसका एक सिरा सत्ता में भी जाकर खुलता है क्योंकि केन्द्र ने इसे समय रहते स्पष्ट नहीं किया कि इस फैसले को लेकर वह क्या करने जा रही है और किस तरह से वह आरक्षण पर आंच नहीं आने देगी। अभी उसे संघ लोक सेवा आयोग के जरिये केन्द्रीय सचिवालय में उप सचिव स्तर के अधिकारियों की सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का कदम वापस लेना पड़ा था। इस भर्ती में कोई पद आरक्षित नहीं थे। जब इसका सीधा विरोध हुआ तब सरकार को इस भर्ती को रद्द करना पड़ा। ऐसे निर्णयों के कारण अब जनता के कान खड़े हो गये हैं, खासकर उनके जिन्हें आरक्षण का लाभ मिलता रहा है। सरकार करीब 45 पद लेटरल एंट्री के जरिये भरने जा रही थी। यह बात सामने आई कि अगर वह भर्ती प्रतिस्पर्धा एवं परीक्षा के जरिये होती तो उसके जरिये आधे से ज्यादा पद ओबीसी, दलितों, आदिवासियों एवं अन्य आरक्षित वर्गों को मिलते। इसके खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मायावती, अखिलेश यादव आदि ने आवाज उठाई जिसका परिणाम यह हुआ कि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को केन्द्रीय कार्मिक मंत्रालय को आदेश देकर यह विज्ञापन रद्द कराना पड़ा। हालांकि केन्द्रीय मंत्री अर्जुन सिंह मेघवाल का कहना है कि श्सरकार कहीं से भी आरक्षण को खत्म नहीं करने जा रही, लेकिन विपक्ष लोगों को इस बात को लेकर भ्रमित कर रहा है। सवाल यह है कि सरकार इस बाबत अपना सीधा व स्पष्ट बयान क्यों अब तक जारी नहीं कर पाई और कोर्ट के सामने भी अपना पक्ष नहीं रख सकी कि आरक्षण की व्यवस्था बनी रहेगी तथा सम्बन्धित वर्गों को कोई नुकसान नहीं होने जा रहा है। इसके पीछे खुद सरकार दोषी है। जनता की यह धारणा बन गई है कि केन्द्र सरकार आरक्षण विरोधी है। यह धारणा विकसित करने में स्वयं भारतीय जनता पार्टी का हाथ है। लोकसभा चुनाव के पहले जब भाजपा ने 370 और 400 पार का नारा लगाना शुरू किया था तो उसका मकसद संविधान को बदलना बतलाया गया था। यह बात भाजपा के कई उम्मीदवार सार्वजनिक तौर पर कहते रहे। अनंत हेगड़े, अरूण गोविल, लल्लू सिंह, ज्योति मिर्धा आदि चुनावी रैलियों में ऐलान करते रहे कि भाजपा को इतना बड़ा बहुमत इसलिये चाहिये क्योंकि उसे संविधान बदलना है। कहना न होगा कि भाजपायी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग सदा से इसी विचार के रहे हैं। भारत बंद को लेकर मायावती ने आरक्षण पर मंडराते खतरे के लिये भाजपा के साथ ही कांग्रेस को भी जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि इसके लिये कांग्रेस कैसे जिम्मेदार है, यह तो उन्होंने स्पष्ट नहीं किया पर यह इसलिये गलत है क्योंकि दलितों, ओबीसी एवं आदिवासियों के जिस आरक्षण के अधिकार को हड़पने के लिये भाजपा लालायित रही, उसका सबसे पहले मुकाबला तो कांग्रेस ने किया था, न कि मायावती ने। उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनावों में और पांच माह पहले हुए लोकसभा चुनावों में बसपा की जो दुर्गति हुई उसका मुख्य कारण यही था कि उसका वोट बैंक कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी की ओर खिसक गया। भाजपा की आरक्षण विरोधी नीति का मायावती ने कभी भी प्रखर विरोध नहीं किया। जो भी हो, भारत बंद बहुजन चेतना की जागृति ही है।

हरियाणा में एक दशक बाद भाजपा को अभूतपूर्व चुनौती

डॉ. ज्ञान पाठक

भारत के चुनाव आयोग द्वारा 16 अगस्त को हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही, राष्ट्रीय एवं राज्य की राजनीतिक पार्टियां अपनी–अपनी विशेष राजनीतिक परिस्थितियों से निपटने में लग गई हैं। उनके नेता कई हफ्तों से चुनावी मूड में थे, खासकर 4 जून, 2024 को लोकसभा आम चुनाव के नतीजे आने के बाद से।सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के नेताओं को चुनावी सक्रियता में बनाये रखने वाली बात लोकसभा चुनाव के नतीजों की प्रकृति है। सत्तारूढ़ भाजपा को सीटों और वोटों के मामले में मिली हार ने एक तरफ उनके नेतृत्व में चिंता और अपने गढ़ को बचाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता को जन्म दिया है, वहीं कांग्रेस की जीत ने उनके कार्यकर्ताओं में उत्साह को दोगुना कर दिया है, जिससे उन्हें उम्मीद है कि वे राज्य में भाजपा को सत्ता से बेदखल कर सकते हैं। सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के अलावा जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) और इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) सहित क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के पास अब केवल तीन सप्ताह का समय है, जिसके दौरान उन्हें टिकटों पर फैसला करना है, राजनीतिक अंतर्कलह के कारण उभरी सीमाओं को पाटना है और राज्य में राजनीतिक गठबंधन के मुद्दों को सुलझाना है। इसलिए, उन्हें पहले से ही बरकरार चुनावी सक्रियता में अपनी गति को बनाये रखते हुए चुनावी बारीकियों से निपटना होगा। भाजपा पिछले 10 वर्षों से राज्य पर शासन कर रही है, लेकिन अब उसे एक अभूतपूर्व चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जिसका खुलासा लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों से हुआ है। चुनाव से ठीक पहले जेजेपी के साथ उसका गठबंधन टूट गया था। पार्टी ने पंजाबी समुदाय से आने वाले मनोहर लाल खट्टर की जगह ओबीसी नेता नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया था। हालांकि, भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर को दूर नहीं किया जा सका। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में जीती गई राज्य की सभी 10 सीटों में से 5 खो दीं और उसका वोट शेयर भी 11.91 प्रतिशत घट गया। इसलिए, अगर पार्टी राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखना चाहती है, तो इस रुझान को बदलना उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। भाजपा को अभी भी उम्मीद है कि पार्टी किसानों के गुस्से को कम करने के लिए ओबीसी का लाभ उठा सकेगी। हालांकि, भाजपा ने अपनी सारी उम्मीदें नहीं खोई हैं, क्योंकि लोकसभा के नतीजों से पता चलता है कि भाजपा ने 44 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की है, जबकि विधानसभा चुनाव 2019 में उसने 90 में से 40 सीटें जीती थीं। भाजपा नेतृत्व को उम्मीद है कि थोड़ा और प्रयास करके पार्टी अपने दम पर बहुमत हासिल कर सकती है, भले ही राज्य में एनडीए मजबूत नहीं है क्योंकि भाजपा ने कुछ महीने पहले जेजेपी से नाता तोड़ लिया था। भाजपा नेतृत्व को यह भी उम्मीद है कि इंडिया ब्लॉक एकजुट होकर चुनाव नहीं लड़ सकता है, और इसलिए वे विधानसभा क्षेत्रों की संख्या के मामले में कांग्रेस पर बढ़त हासिल कर सकते हैं। लोकसभा के नतीजों से पता चलता है कि जेजेपी और इनेलो ने राज्य में अपना प्रभाव काफी हद तक खो दिया है। जेजेपी ने 2019 के विधानसभा चुनाव में 10 सीटें जीती थीं, लेकिन वह लोक सभा चुनाव के दौरान किसी भी विधानसभा क्षेत्र में बढ़त हासिल नहीं कर सकी। पार्टी को 1 प्रतिशत से भी कम वोट मिले, जिसे भाजपा के साथ जाने के लिए पार्टी के खिलाफ मतदाताओं के गुस्से के रूप में समझा गया। किसान समुदाय भाजपा से नाराज हैं, जो लगता है कि अपनी वफादारी जेजेपी से दूर कर चुके हैं। इनेलो ने 2019 में 1 सीट जीती थी, लेकिन उसका भी यही हश्र हुआ, और वह किसी भी विधानसभा क्षेत्र में बढ़त हासिल नहीं कर सकी, जो बताता है कि किसान समुदाय इनेलो के साथ भी नहीं है। हालांकि कांग्रेस ने भाजपा से 5 लोकसभा सीटें छीन ली थीं और अपने वोट शेयर में 15.16 प्रतिशत की वृद्धि की थी, लेकिन उसे केवल 42 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली थी, जो भाजपा से 2 कम थी। यही कांग्रेस के लिए चुनौती है, जिसे सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबला करने और इंडिया ब्लॉक के लिए बहुमत हासिल करने के लिए स्पष्ट रूप से एक सहयोगी की आवश्यकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कांग्रेस पिछले कुछ समय से राज्य में फिर से उभर रही है, जो जमीन पर और विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त के मामले में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 30 सीटें जीती थीं।

आम आदमी पार्टी भले ही इंडिया ब्लॉक के हिस्से के रूप में कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ी हो, लेकिन वह एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत पाई। हालांकि, इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि आप ने 4 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की है। इस प्रकार, इंडिया ब्लॉक ने कुल 90 में से 46 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की है, जो स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा है, जो भाजपा की बढ़त से 2 अधिक है। हालांकि, यह अभी भी अनिश्चित है कि आप और कांग्रेस इंडिया ब्लॉक के घटक के रूप में हरियाणा विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगे या नहीं। आप नेतृत्व ने कई बार दोहराया है कि कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की व्यवस्था केवल लोकसभा चुनाव के लिए थी। फिर भी, जमीनी स्तर पर राजनीतिक स्थिति बताती है कि मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा होगा, केवल आधा दर्जन सीटों को छोड़कर, जहां बहुकोणीय मुकाबला हो सकता है, जिसमें जेजेपी, आईएनएलडी, आप (अगर अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला करती है) और कुछ निर्दलीय शामिल हैं। भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर स्पष्ट है और किसान अभी भी पीएम मोदी की किसान विरोधी नीतियों से नाराज हैं, जिससे कांग्रेस को 2024 में राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा से सत्ता छीनने की उम्मीद जगी है। हरियाणा विधानसभा के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए राज्य विधानसभा चुनाव, जिसका कार्यकाल 4 नवंबर, 2024 को समाप्त होना है, 1 अक्टूबर को एक चरण में होंगे। कुल 17 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है और चुनाव कार्यक्रम इस प्रकार हैरू अधिसूचना तिथि– 5 सितंबरय नामांकन की अंतिम तिथि– 12 सितंबरय नामांकन की जांच की तिथि– 13 सितंबरय नाम वापसी की अंतिम तिथि– 16 सितंबरय कुल 2.03 करोड़ मतदाता राजनीतिक दलों के भाग्य का फैसला करेंगे, जिनमें से 4.7 लाख पहली बार मतदाता हैं, जबकि विकलांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाता 1.49 लाख, तीसरे लिंग 455 और 85 वरिष्ठ नागरिक 2.46 लाख हैं।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई–लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई–लिखाई के तौर–तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच–समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता–पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते–होते स्वछन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान–मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख–सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे–बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता–पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं। स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरीज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड–प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां–बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई–बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार–बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता–पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन–कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता–पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता–पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं।

तमन्ना भाटिया ने फैंस के साथ अपनी पसंदीदा सब्जी की झलक शेयर की

> हाल ही में तमन्ना ने कॉमेडी हॉरर फिल्म स्त्री २ के गाने आज की रात पर अपने डांस परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के बैनर तले दिनेश विजन और ज्योति देशपांडे ने किया है। २०१८ की फिल्म स्त्री के सीक्वल में श्रद्धा कपूर और राजकुमार मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही इसमें पंकज त्रिपाठी, अभिषेक और अपारशक्ति खुराना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपने लंच की एक झलक देते हुए बताया कि उन्हें 'भिंडी' कितनी पसंद है। इंस्टाग्राम पर तमन्ना के 2.61 करोड़ फॉलोअर्स हैं। इस प्लेटफॉर्म के स्टोरीज सेक्शन में उन्होंने एक खूबसूरत सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उन्हें सफेद रंग की ड्रेस में कार में बैठे हुए देखा जा सकता है। वह खिड़की से बाहर देखते हुए पोज दे रही हैं। तस्वीर का कैप्शन है लंच में क्या है दिवा ने एक और तस्वीर पोस्ट की जिसमें उनका लंच बॉक्स दिख रहा है। इसमें भिंडी क्विनोआ, दाल और नींबू शामिल हैं। इसका कैप्शन है सभी भिंडी प्रेमियों के लिए। हाल ही में तमन्ना ने कॉमेडी हॉरर फिल्म स्त्री 2 के गाने आज की रात पर अपने डांस परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के बैनर तले दिनेश विजन और ज्योति देशपांडे ने किया है। 2018 की फिल्म स्त्री के सीक्वल में श्रद्धा कपूर और राजकुमार मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही इसमें पंकज त्रिपाठी, अभिषेक और अपारशक्ति खुराना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। काम की बात करें तो तमन्ना को पिछली बार सुंदर सी. द्वारा निर्देशित तमिल कॉमेडी हॉरर फिल्म अरनमनई 4 में देखा गया था। इसमें तमन्ना के साथ सुंदर, राशि खन्ना, रामचंद्र राजू, संतोष प्रताप, कोवई सरला, योगी बाबू, वी.टी.वी. गणेश और दिल्ली गणेश हैं। वह निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियो, एम्मे एंटरटेनमेंट तथा जेए एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित एक्शन ड्रामा श्वेदाश में भी एक कैमियो भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म में जॉन अब्राहम, शरवरी और अभिषेक बनर्जी हैं। तमन्ना के पास अशोक तेजा द्वारा निर्देशित और संपत नंदी द्वारा निर्मित तेलुगु सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म ओडेला 2 पाइपलाइन में है। फिल्म में हेबाह पटेल, वशिष्ठ एन. सिम्हा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही इसमें युवा, नागा महेश, वामसी, गगन विहारी, सुरेंदर रेड्डी, भूपाल और पूजा रेड्डी भी हैं। वह डेयरिंग पार्टनर्स में भी काम कर रही हैं।

60 के दशक की सबसे महंगी एक्ट्रेस थीं सायरा बानो, आज मना रही 79वां बर्थडे

हिंदी सिनेमा में 60 के दशक की सबसे महंगी और खूबसूरत अभिनेत्री सायरा बानो आज यानी की 23 अगस्त को अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं। सायरा बानो की मां भी 40 के दशक की फेमस अभिनेत्री हुआ करती थीं। सायरा बानो ने बचपन से दो ही सपने देखे थे, जिसमें पहला अपनी मां की तरह सफल अभिनेत्री बनना और दूसरा अभिनेता दिलीप कुमार से शादी करना। यह अभिनेत्री की खुशकिस्मती रही कि एक्ट्रेस के दोनों सपने पूरे हुए। आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेत्री सायरा बानो के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म

भारत के मसूरी में 23 अगस्त 1944 को सायरा बानो का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। हालांकि उनका बचपन लंदन में आंटी के पास बीता। बाद में वह भारत वापस आ गई थीं। सायरा बानो बचपन से ही दिलीप कुमार की फैन थीं।

फिल्मों में शुरूआत

बता दें कि महज 16 साल की उम्र में सायरा बानो ने हिंदी फिल्मों में काम करना शुरूकर दिया था। वह एक ट्रेंड डांसर थीं। फिल्मों में सायरा बानो का करियर काफी शानदार रहा। साल 1961 में आई फिल्म श्जंगलीश के लिए एक्ट्रेस को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री फिल्मफेयर अवार्ड के लिए नामांकन किया गया। हालांकि बाद में सायरा बानो को फिल्म शागिर्द, दीवाना और सगीना जैसी तीन फिल्मों के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के तीन फिल्मफेयर अवार्ड मिले।

दिलीप कुमार से शादी की जिद

बताया जाता है कि एक दिन एक्ट्रेस अपनी मां के साथ महबूब खान की निर्देशित फिल्म आन देख रही थीं। इस फिल्म में दिलीप कुमार ने अभिनय किया था। इस फिल्म से सायरा बानो को दिलीप कुमार इतने ज्यादा पसंद आए कि उन्होंने अपनी मां से कहा कि वह उन्हीं से शादी करेंगी। इस दौरान सायरा बानो की उम्र महज 12 साल थी। बेटी के मुंह से यह बात सुनकर उनकी मां हंस पड़ी। लेकिन किसे पता था कि सायरा बानो की कही ये बात सच होने वाली है।

इस अभिनेता के प्यार में पड़ गई थीं सायरा

दिलीप कुमार से शादी करने के ख्वाब तो सायरा ने छोटी उम्र में सजा लिए थे। लेकिन इसी बीच उन्होंने फिल्म 'बेला' में राजेंद्र कुमार के साथ काम किया था। सायरा ने राजेंद्र कुमार के साथ कई फिल्मों में काम किया। ऐसे में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। यह दोस्ती कब प्यार में बदल गई, सायरा को पता ही नहीं चला। जबकि राजेंद्र कुमार पहले से शादीशुदा थे। ऐसे में दिलीप कुमार के काफी समझाने के बाद सायरा बानो ने अपनी मन राजेंद्र कुमार से हटाना शुरू किया। इस सब के बीच सायरा बानो की दिलीप कुमार से बातचीत होने लगी और दोनों एक–दूसरे को पसंद करने लगे। फिर खुद से 22 साल बड़े दिलीप कुमार से सायरा बानो ने शादी कर ली।

तुषार ने कपूर किया खुलासा, गोलमाल में मेरा किरदार एक एक्सपेरिमेंट था

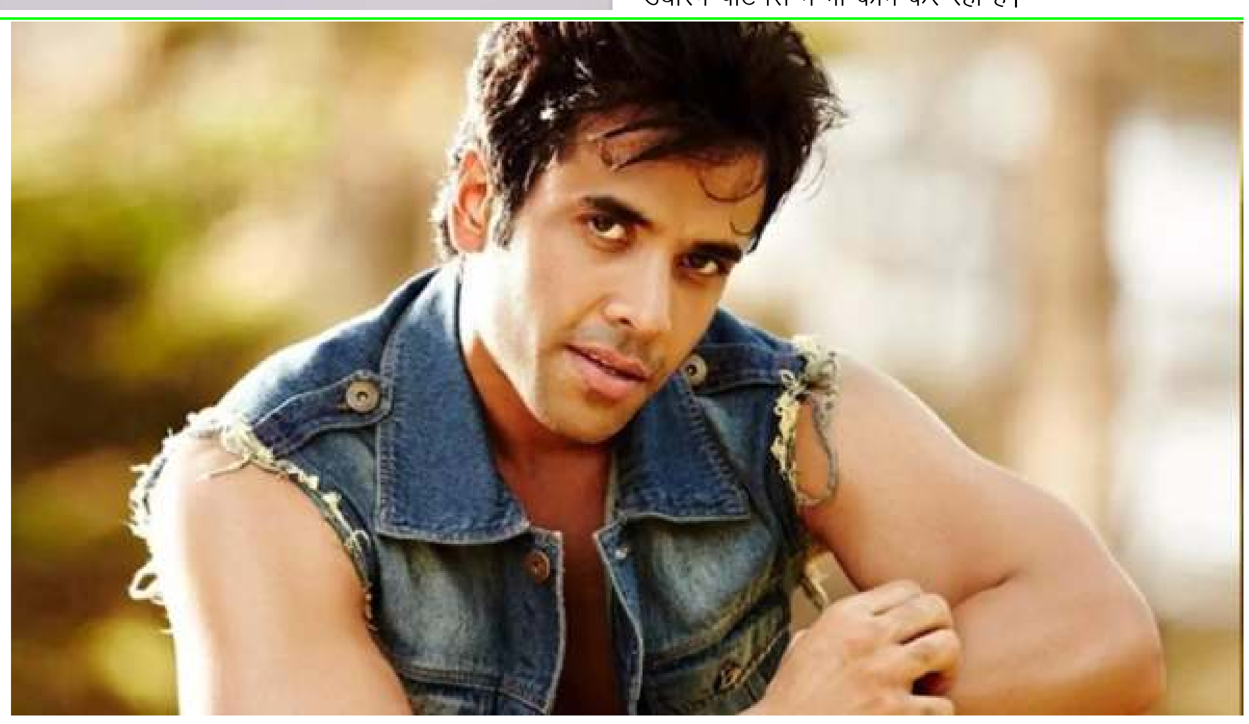

'गोलमाल' में अपने सबसे प्रतिष्ठित किरदार 'लकी' के बारे में बात करते हुए अभिनेता तुषार कपूर ने कहा कि शुरुआत में यह किरदार एक प्रयोग था, और वह खुद तथा निर्माता यह जानने के लिए उत्सुक थे कि लोग इसे कैसे लेंगे। तुषार ने आईएएनएस को बताया, यह किरदार पिछले कई साल से लोगों के बीच खासकर के नई पीढ़ी के बीच लोकप्रिय है। यह एक ऐसा किरदार है जिसे बच्चे बहुत पसंद करते हैं। भगवान की कृपा से उस किरदार को स्वीकार कर लिया गया। यह शुरू में एक प्रयोग था और हम यह जानने के लिए उत्सुक थे कि लोग इसे कैसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन इसे स्वीकार कर लिया गया। मुझे लगता है कि कभी–कभी ये पात्र पुराने हो जाते हैं लेकिन जैसे–जैसे नई पीढ़ी आती है उन्हें भी यह चरित्र पसंद आ जाता है। आगे कहा, मुझे लगता है कि इससे किरदार जीवंत और बहुत ताजा रहता है और आज भी दर्शक इसे पसंद कर रहे हैं। यह गोलमाल ब्रांड और मेरे लिए काम करता है। मैं बेहद ही भाग्यशाली हूं कि बच्चे मेरी भूमिका को पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, गोलमाल फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 2006 में रिलीज हुई थी। इसमें अजय देवगन, अरशद वारसी और शरमन जोशी के साथ रिमी सेन और परेश रावल भी थे। इसे एक आधुनिक कल्ट फिल्म माना जाता है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित गोलमाल फन अनलिमिटेडष मिहिर भूटा के गुजराती नाटक ष्अफलातूनष पर आधारित है, जो हर्ष शिवशरण के मराठी नाटक ष्घर घरष पर आधारित था। तुषार पिछले दो दशकों से इंडस्ट्री का हिस्सा हैं और उन्हें लगता है कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा, इस अर्थ में बहुत कुछ बाकी है कि मैंने वास्तव में एक हॉरर फिल्म या डांस फिल्म नहीं की है, हमेशा कुछ नया होता है जो सामने आता है और आपको लगता है कि 'यह करना बाकी है' हमेशा कुछ नया करने को होता है।

म्यूजिक इंडस्ट्री में कुछ अलग करने के लिए बहुत साहस की जरूरत है : शारिब–तोशी

संगीतकार जोड़ी शारिब–तोशी अपने नए ट्रैक श्सल्ले अल्लाश के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कलाकारों को बाजार में आगे बढ़ने और लोगों द्वारा पसंद किए जाने से लेकर कुछ अलग करने के लिए बहुत साहस की जरूरत होती है। सल्ले अल्ला एक सूफी गीत है और इसमें पाकिस्तानी कलाकार हाशिम अहमदानी भी हैं। इस गीत को 30 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। शारिब–तोशी ने कहा, भीड़ से अलग कुछ करने की हिम्मत, खासकर संगीत उद्योग में, बहुत साहस की जरूरत होती है। हम हमेशा से सूफी शैली को वर्तमान पीढ़ी के बीच लोकप्रिय बनाना चाहते थे, जो एक बहुत बड़ी चुनौती है और इसके लिए खुद पर विश्वास की आवश्यकता होती है। जब हमने निर्माता हाशिम और संगीतकार एलेक्स से यह विचार सुना, तो हम तुरंत तैयार हो गए। गीत में ईश्वरीय मिलन और प्रेम के गहरे भाव को दर्शाया गया है। इसके बोल जहीर जर्फ द्वारा लिखे गए हैं। गीत में सांसारिक चिंताओं से परे, ईश्वर से जुड़ने की आत्मा की खोज को व्यक्त किया गया है। शारिब–तोशी के साथ इस सहयोग का विचार सबसे पहले संगीतकार और संगीत निर्माता एलेक्स शाहबाज का था, जो लाइव रिकॉर्ड किए गए वाद्ययंत्रों के साथ एक मौलिक कृति बनाना चाहते थे। जोड़ी ने कहा, यह सहयोग न केवल दर्शकों का मनोरंजन करता है, बल्कि सूफी संगीत के माध्यम से देश भर के लोगों को एकजुट करने का एक शानदार अवसर भी प्रदान करता है। हम एक साथ मिलकर काम करने और संगीत के माध्यम से सांस्कृतिक विभाजन को पाटने के लिए उत्साहित हैं। बॉलीवुड कलाकारों के साथ अपने पहले सहयोग के बारे में बात करते हुए, हाशिम और एलेक्स ने कहा, यह ट्रैक इस तथ्य का प्रमाण है कि संगीत सभी बाधाओं को पार करता है।

विक्रमादित्य मोटवानी को लेकर सच हुई सुमुखी सुरेश की भविष्यवाणी

निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी की अगली फिल्म 'सीटीआरएल' के लिए संवाद लेखक के रूप में काम कर रही स्टैंड अप कॉमेडियन, अभिनेत्री और लेखिका सुमुखी सुरेश ने बताया कि कैसे समय के साथ उनकी भविष्यवाणी सच हो गई। हास्य और व्यंग्य में अपने काम के लिए मशहूर सुमुखी के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी शैली में बदलाव को दिखाती है। सीटीआरएल' तकनीक पर लोगों की बढ़ती निर्भरता पर एक अत्याधुनिक थ्रिलर है। फिल्म और एक लोकप्रिय प्रभावशाली जोड़े, नैला अवस्थी (अनन्या पांडे द्वारा अभिनीत) और जो मस्कारेन्हास (विहान समत द्वारा अभिनीत) के बीच जटिल संबंधों के इर्द–गिर्द घूमती है। सुमुखी सुरेश ने विक्रमादित्य मोटवानी के साथ काम करने की बात कही थी, लेकिन जब उन्होंने अपनी भविष्यवाणी को हकीकत बनते देखा तो वह हैरान रह गईं। सुमुखी ने इस बारे में कहा, ष्यह एक बहुत ही साहसपूर्ण क्षण था। मैंने 2018 में आईरील अवार्ड्स में विक्रमादित्य से संपर्क किया और अपना परिचय दिया। साथ ही पूरे आत्मविश्वास के साथ यह भी कहा कि हम अगले पांच साल के भीतर साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने आगे बताया, मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्होंने अपने क्लासिक अंदाज में बस कूल कहा। साल 2022 में मुझे उनसे उनकी अगली फिल्म के लिए संवाद लिखने के लिए कॉल आया, जिसे उन्होंने और अविनाश संपत ने लिखा है। लेखन की दुनिया में उनका कदम एक कलाकार के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है। इस शैली की फिल्म के साथ, दर्शक एक लेखक के रूप में उनसे एक नए और अप्रत्याशित पक्ष की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'सीटीआरएल' मेरे पहले किए गए कामों से बिल्कुल अलग है। यह एक थ्रिलर और विज्ञान की कहानी है। इसलिए एक लेखक के रूप में मैं इसमें अपना हाथ आजमाने को लेकर बहुत उत्साहित थी। यह मेरे शुरुआती कामों में से एक होगी जिसे मेरे भाई आखिरकार देखेंगे। मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने बताया कि 'सीटीआरएल' 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बासी मुंह 15 दिनों तक चबाएं कड़ी पत्ते, सेहत को होंगे ये बेमिसाल फायदे

कड़ी पत्ता भारतीय भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उपयोग अक्सर खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कड़ी पत्ते के सेवन से आपकी सेहत पर भी कई अद्भुत लाभ हो सकते हैं? अगर आप बासी मुँह लगातार 15 दिनों तक कड़ी पत्ते को खाते हैं, तो इसके आपके शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। आइए जानते हैं इसके बेमिसाल फायदे।

रोगप्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाना

कड़ी पत्ते में मौजूद कई पोषक तत्व जैसे विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवोनॉयड्स आपकी रोगप्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करते हैं। लगातार कड़ी पत्ते का सेवन करने से आपके शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाना

कड़ी पत्ते का सेवन पाचन तंत्र के लिए भी लाभकारी होता है। इसमें फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो पाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाती है। इससे गैस्ट्रिक समस्याओं, कब्ज और अपच की समस्याओं में राहत मिलती है। बासी मुँह कड़ी पत्ते को चबाने से पाचन तंत्र को बेहतर बनाया जा सकता है।

वजन नियंत्रण में सहायक

कड़ी पत्ते का सेवन वजन नियंत्रण में भी मददगार साबित हो सकता है। यह शरीर के मेटाबोलिज़्म को बढ़ाता है और शरीर की चर्बी को कम करने में सहायता करता है। नियमित रूप से कड़ी पत्ते का सेवन करने से आप आसानी से अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद

कड़ी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन । मौजूद होते हैं, जो त्वचा की सेहत के लिए लाभकारी हैं। यह त्वचा को निखारने, मुहांसों और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। बासी मुँह कड़ी पत्ते को चबाने से आपकी त्वचा में चमक और ताजगी आ सकती है।

डायबिटीज को नियंत्रित करने में सहायक

कड़ी पत्ते का सेवन रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद गुणधर्म डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद होते हैं। यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है और डायबिटीज से संबंधित समस्याओं को कम कर सकता है।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार

कड़ी पत्ते में मौजूद पोषक तत्व हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है और हृदय संबंधी समस्याओं को दूर करने में सहायक होता है। नियमित कड़ी पत्ते के सेवन से आप अपने हृदय को स्वस्थ रख सकते हैं।

कड़ी पत्ते के सेवन से आपके शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं, विशेष रूप से अगर आप बासी मुँह इसे लगातार 15 दिनों तक खाते हैं। यह आपकी रोगप्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है, पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है, वजन नियंत्रण में मदद करता है, त्वचा को निखारता है, डायबिटीज को नियंत्रित करता है और हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है। अपने आहार में कड़ी पत्ते को शामिल करके आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

चाहिए खूबसूरत सिल्की बाल, तो अमरूद के पत्तों की मदद से बनाएं सीरम

हम सभी की यही आदत होती है कि हम अपने बालों की केयर करने के लिए मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स पर भरोसा करते हैं। भले ही वे कितने भी महंगे हों, लेकिन उन्हें खरीदने से गुरेज नहीं करते। जबकि इनमें कई बार केमिकल्स का इस्तेमाल भी किया जाता है, जो लंबे समय में बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप प्रकृति की मदद से अपने बालों की केयर करें। मसलन, सिल्की व स्मूथ बाल पाने के लिए अमरूद के पत्तों की मदद ली जा सकती है। अमरूद के पत्तों से आप हेयर सीरम खुद घर पर ही तैयार कर सकते हैं और उसे इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको अमरूद के पत्तों से बनने वाले हेयर सीरम के बारे में बता रहे हैं–

अमरूद के पत्तों से बनने वाले हेयर सीरम के फ़ायदे

अमरूद की पत्तियों की मदद से हेयर सीरम बनाने से पहले हम इसके फायदों के बारे में थोड़ा सा जान लेते हैं। इस होममेड सीरम के कई फायदे हैं–

– अमरूद की पत्तियां बालों के रोमों को मजबूत करती हैं, जिससे बालों का गिरना कम हो जाता है।

– अमरूद की पत्तियों में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं।

– सीरम का नियमित उपयोग आपके बालों को चमकदार और मुलायम बना सकता है।

अमरूद की पत्तियों से हेयर सीरम कैसे बनाएं

अमरूद की पत्तियों से हेयर सीरम बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की आवश्यकता होगी–

आवश्यक सामग्रीः

– ताजी अमरूद की पत्तियां (10–15 पत्तियाँ)

– पानी (2 कप)

– एलोवेरा जेल (2 बड़े चम्मच)

– विटामिन ई तेल (1 कैप्सूल, वैकल्पिक)

– एसेंशियल ऑयल (अपनी पसंद की कुछ बूंदें, वैकल्पिक)

अमरूद की पत्तियों से हेयर सीरम बनाने का तरीका–

– सबसे पहले अमरूद के पत्तों को अच्छी तरह धो लें।

– एक बर्तन में 2 कप पानी के साथ धुली हुई अमरूद की पत्तियां डालें।

– पानी में उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और इसे 15–20 मिनट तक उबलने दें।

– जब पानी कम हो जाए और रंग हल्का भूरा–हरा हो जाए तो आंच बंद कर दें।

– अब मिश्रण को ठंडा होने दें।

– पत्तियों को हटाकर, एक महीन जाली वाली छलनी या चीज़क्लोथ का उपयोग करके तरल को एक साफ कटोरे में छान लें।

– जब अमरूद की पत्ती का पानी ठंडा हो जाए तो इसमें 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

– अब इसमे विटामिन ई कैप्सूल तोड़कर उसका तेल डालें और एक बार फिर से हिलाएं।

– अंत में, खुशबू और अतिरिक्त लाभ के लिए, अपने रोज़मेरी या लैवेंडर एसेंशियल ऑयल आदि की कुछ बूंदे डालकर मिलाएं।

– तैयार सीरम को एक साफ स्प्रे बोतल में डालें।

– अमरूद की पत्ती के सीरम को सीधे अपने स्कैल्प और बालों पर स्प्रे करें।

– यह सुनिश्चित करने के लिए कि सीरम आपके स्कैल्प में प्रवेश कर जाए, कुछ मिनट तक धीरे–धीरे मालिश करें।

– आप सीरम को कुछ घंटों या रात भर के लिए छोड़ सकते हैं।

– अपने बालों को हमेशा की तरह गुनगुने पानी या शैम्पू से धो लें।

– सर्वोत्तम परिणामों के लिए इस सीरम का प्रयोग सप्ताह में 2–3 बार करें।

हाई कोलेस्ट्रॉल में राइस खाने चाहिए या नहीं? जानें एक्सपर्ट्स की राय

आजकल खराब खानपान और जीवनशैली के कारण उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या आम हो गई है। हाई कोलेस्ट्रॉल से दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में कई लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीजों को चावल खाना चाहिए या नहीं। आइए जानें इस मुद्दे पर हेल्थ एक्सपर्ट्स की राय।

हाई कोलेस्ट्रॉल और चावलः क्या कहती हैं हेल्थ एक्सपर्ट्स

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, यदि आप हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीज हैं, तो चावल का सेवन कुछ हद तक किया जा सकता है। सामान्य मात्रा में चावल खाने से शरीर को कोई खास नुकसान नहीं होता। हालांकि, चावल में मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स को लेकर सतर्क रहना जरूरी है क्योंकि अत्यधिक कार्बोहाइड्रेट्स कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ा सकते हैं।

चावल का सेवन और कोलेस्ट्रॉल लेवल

चावल, विशेष रूप से सफेद चावल, में उच्च मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं। यह इंसुलिन के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ा सकता है। इसलिए, अगर आप हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या से जूझ रहे हैं, तो चावल का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए और बेहतर होगा कि आप ब्राउन चावल या जौ जैसे फाइबर युक्त विकल्पों को प्राथमिकता दें।

सही मात्रा में चावल का सेवन

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि चावल का सेवन करते समय उसकी मात्रा पर ध्यान देना चाहिए। एक बार में बहुत अधिक चावल का सेवन करना कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावित कर सकता है। इसलिए, दिनभर में चावल की मात्रा को नियंत्रित करें और इसे संतुलित आहार के हिस्से के रूप में शामिल करें।

संतुलित आहार का महत्व

हाई कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए संतुलित आहार अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत, ताजे फल, सब्जियाँ, साबुत अनाज, और स्वस्थ वसा का सेवन शामिल होना चाहिए। चावल के साथ साथ इन अन्य खाद्य पदार्थों को भी अपने आहार में शामिल करें ताकि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित रहे और आप स्वस्थ रह सकें।

चावल का सेवन सीमित करें

सारांश में, यदि आपके कोलेस्ट्रॉल लेवल उच्च हैं, तो चावल का सेवन संतुलित मात्रा में करना चाहिए। अत्यधिक चावल खाने से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है, इसलिए इसके सेवन पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। ब्राउन चावल या अन्य स्वस्थ विकल्पों को शामिल करके आप अपनी स्वास्थ्य स्थिति को बेहतर बना सकते हैं।

अपने आहार और जीवनशैली में सुधार करने के लिए हमेशा हेल्थ एक्सपर्ट्स की सलाह लेना अच्छा होता है।

नोएडा में रहने वाले कपल्स वाइफ के साथ बनाएं इन 4 जगहों पर घूमने का प्लान, कम पैसों में कर सकेंगे एंज्वॉय

अगर आप कम पैसे में घूमने जाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाने के बाद आपको अपना हनीमून याद आ जाएगा।

वैसे तो भारत में कई घूमने के बेहतरीन और शानदार जगहें हैं। क्या आप इस वीकेंड अपनी वाइफ के साथ किसी शांत और हैपनिंग प्लेस पर वेकेशन प्लान कर रहे हैं। लेकिन घूमने की बात पर सबसे पहले बजट की चिंता होती है, क्योंकि हर किसी का अपना बजट होता है। ऐसे में अगर आप कम पैसे में घूमने जाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाने के बाद आपको अपना हनीमून याद आ जाएगा और आप इन जगहों पर बेहद कम खर्चे में आराम से घूम भी सकेंगे।

चूका बीच

अगर इस वीकेंड आप अपने पार्टनर के साथ किसी पानी वाली जगह या फिर बीच साइड जाने का प्लान कर सकते हैं। तो आपको यूपी के पीलीभीत शहर के बाहरी जगह पर स्थिति चूका बीच पर पहुंचना चाहिए। आप गाड़ी से आराम से इस जगह तक आ सकते हैं। वहीं बरेली से यहां तक का रास्ता सिर्फ एक घंटे का है। यहां पर आप 5–6 हजार रुपए खर्च कर घूम सकते हैं।

मोरनी हिल्स

हरियाणा का इकलौता हिल स्टेशन मोरनी हिल्स को ऑफबीट जगह के तौर पर जाना जाता है। यहां पर आप नोएडा से 5–6 घंटे में आराम से पहुंच जाएंगे। आप वीकेंड पर पार्टनर के साथ यहां पर घूमने के लिए आ सकते हैं। आजकल कपल्स मोरनी हिल्स पर भी हनीमून के लिए पहुंचते हैं। मोरनी हिल्स में आप टिक्कर ताल, मोरनी किला, गुरुद्वारा नाडा साहिब और मनसा देवी मंदिर घूम सकते हैं।

शिमला

घूमने के लिहाज से शिमला भी काफी खूबसूरत जगह है। हर साल भारी संख्या में कपल्स यहां पर हनीमून के लिए आते हैं। वहीं नोएडा से यह जगह ज्यादा दूर नहीं है। गर्मियों में यह जगह घूमने के लिए बेस्ट है। अप्रैल–मई के महीने में यहां पर सबसे ज्यादा क्राउड देखने को मिलता है। यहां पर घूमने के लिए पर पर्सन 6–7 हजार रुपए का खर्चा आएगा। लेकिन यहां की हसीन वादियों में घूमकर आपके सारे पैसे वसूल हो जाएंगे।

नैनीताल

अगर आप घूमने के लिए कोई सस्ती जगह ढूंढ रहे हैं, तो आप नैनीताल जा सकते हैं। कई कपल्स नैनीताल हनीमून मनाने के लिए आते हैं। यहां पर आप 5–6 चीजें हैं, जिनको आप अपनी पत्नी के साथ एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यदि एडवेंचर के शौकीन हैं, तो नैनीताल में बोटिंग और ट्रेकिंग कर सकते हैं। बता दें कि यहां पर घूमने के लिए पर पर्सन 5–6 हजार रुपए खर्चा आएगा।

संक्षिप्त

जोमैटो ने तत्काल प्रभाव से इंटरसिटी 'लीजेंड्स सेवाएं बंद करने का लिया फैसला, जानें इसके पीछे का कारण

जोमैटो से खाना तो कई लोग आमतौर पर मंगवाते रहते है। अपनी सर्विस को बढ़ाते हुए कुछ समय पहले ही जोमैटो ने इंटरसिटी 'लीजेंड्स' सेवाओं को लॉन्च किया था, जिसे अब कंपनी ने बंद करने का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने इंटर सिटी लीजेंड्स सर्विस को लोगों के लिए दो साल पहले लॉन्च किया था। जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर कहा, श्ज़ोमैटो लीजेंड्स पर अपडेट – दो साल की कोशिशों के बाद, उत्पाद बाज़ार में फ़िट नहीं होने के बाद, हमने तत्काल प्रभाव से सेवा बंद करने का फ़ैसला किया है।श बता दें कि जुलाई 2024 में, कंपनी ने अस्थायी रूप से सेवा को रोका था। इस सर्विस को अधिक फायदेमंद बनाने के लिए कुछ बदलावों के साथ इसे फिर से शुरू किया। ज़ोमैटो लीजेंड्स ने देश के 10 शहरों के मशहूर व्यंजन देश के दूसरे हिस्सों में पेश किए। बंद होने के बाद, ज़ोमैटो की फूड–डिलीवरी सेवा सिर्फ़ शहरों के भीतर ही संचालित होगी।

डील होने के बाद आई जानकारी

यह घोषणा उस समय की गई है जब एक दिन पहले ही फूड डिलीवरी ऐप ने कहा था कि वह फिनटेक दिग्गज पेटीएम के मूवी और इवेंट टिकटिंग कारोबार को 2,034 करोड़ रुपये में खरीदेगा। ज़ोमैटो और पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के बोर्ड ने इस पूरी तरह से नकद सौदे को मंजूरी दे दी है। समझौते के तहत, पेटीएम का मनोरंजन टिकटिंग कारोबार उसकी सहायक कंपनियों ऑर्बजेन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (ओटीपीएल) और वेस्टलैंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (डब्ल्यूईपीएल) को हस्तांतरित किया जाएगा, इसके बाद इन सहायक कंपनियों (जो टिकटन्यू और इनसाइडर प्लेटफॉर्म का संचालन करती हैं) की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी जोमैटो को बेची जाएगी। इसके बाद, ज़ोमैटो अपने नए व्यवसाय को शडिस्ट्रिक्टश नामक एक नए ऐप में बदल देगा। इस सौदे के तहत, ज़ोमैटो ध1,264.6 करोड़ में ऑर्बजेन टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड (ओटीपीएल) का पूर्ण अधिग्रहण करेगा, जो मूवी टिकटिंग का कारोबार करती है और ध783.8 करोड़ में वेस्टलैंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड को खरीदेगा, जो इवेंट टिकटिंग का कारोबार करती है। हालांकि फूड डिलीवरी ज़ोमैटो का सबसे बड़ा व्यवसाय है – इसकी पहली तिमाही के राजस्व का 46 प्रतिशत हिस्सा – इसने अपनी अंतर–शहर सेवा के योगदान का खुलासा नहीं किया है। ज़ोमैटो के अन्य खंडों में इसका क्विक कॉमर्स डिवीजन ब्लिंकिट और व्यवसाय–उन्मुख रसोई आपूर्ति प्लेटफ़ॉर्म हाइपरप्योर शामिल हैं। इसने एक साल से भी ज़्यादा समय पहले अपना टिकटिंग व्यवसाय भी शुरू किया था।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे मजबूत होकर 83.88 रुपये प्रति पर

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी पूंजी के ताजा प्रवाह के समर्थन से रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे मजबूत होकर 83.88 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल की कीमतों में उल्लेखनीय सुधार रुपये के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है, क्योंकि भारत में तेल का आयात काफी अधिक है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.93 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.88 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को 83.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

क्या केएल राहुल ने ले लिया संन्यास? सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा यह पोस्ट, जानें क्या है सच्चाई

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर केएल राहुल इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड कर रहे हैं। राहुल ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन कुछ खास फॉर्म में नहीं दिखे थे। फिलहाल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले वह ब्रेक पर हैं, लेकिन गुरुवार को उनके एक पोस्ट ने तहलका मचा दिया। दरअसल, राहुल ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा था कि मुझे एक अनाउंसमेंट

करना है, आप लोग इंतजार करें। इस पोस्ट के कुछ देर बाद कई स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। इस स्क्रीनशॉट में राहुल की प्रोफाइल पिक्चर के साथ एक पोस्ट है, जिसमें राहुल संन्यास की घोषणा करते दिख रहे हैं। इसके वायरल होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मच गया। हर कोई इस बारे में बात करने लगा। कुछ फैंस का दावा है केएल राहुल ने इस पोस्ट के जरिये संन्यास का एलान कर दिया है। वहीं, कुछ फैंस का दावा है कि राहुल ने यह पोस्ट करने के बाद इसे डिलीट कर लिया। हालांकि, कुछ फैंस ने इसे फर्जी बताया है और कहा कि यह फोटोशॉप है। कुछ शरारती तत्वों ने उनके श्मैं जल्द एक घोषणा करने वाला हूं, मेरे साथ बने रहिएश वाले पोस्ट के साथ इसे जोड़ दिया। बस फिर क्या था यह सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई। हालांकि, इस पोस्ट में कोई सच्चाई नजर नहीं आती, क्योंकि फिलहाल उनकी स्टोरी पर ऐसा कुछ भी नहीं है और ज्यादातर फैंस इसे फर्जी बता रहे हैं।

नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक्स के बाद तोड़ दिया रिकॉर्ड, फेंका सीजन का बेस्ट थ्रो

लुसाने डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर से धमाकेदार पर्फॉर्मेंस दी है। इस बार उन्होंने महज 14 ही दिनों में पेरिस ओलंपिक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। नीरज चोपड़ा ने इस वर्ष पेरिस में हुए ओलंपिक खेलों में 89.45 मीटर का थ्रो किया था और सिल्वर मेडल अपनी झोली में डाला था। वहीं इन गेम्स के बाद नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग भाग ले रहे हैं जहां उन्होंने अपना ही ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नीरज ने 89.49 मीटर दूर भाला फेंककर अपना यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ये लुसाने डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा का बेस्ट थ्रो था। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.61 मीटर के विशाल थ्रो के साथ नया मीट रिकॉर्ड स्थापित करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर 87.08 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता

नीरज ने शाम की शुरुआत मामूली तरीके से की और अपने पहले चार प्रयासों में से किसी में भी 85 मीटर का आंकड़ा पार करने में असफल रहे। इवेंट के अधिकांश समय लीडरबोर्ड पर चौथे स्थान पर रहने के बाद, वह अतिरिक्त थ्रो अर्जित करने के अपने अंतिम प्रयास में 85.58 मीटर थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए। फाइनल राउंड में पीटर्स और वेबर के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए, नीरज ने अपने करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो हासिल किया। 2022 में स्टॉकहोम डायमंड लीग में हासिल किया गया 89.94 मीटर का थ्रो नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ है और यह भारत में राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार नीरज ने कहा, ष्शुरुआत में यह अहसास बहुत अच्छा नहीं था, लेकिन मैं अपने थ्रो से खुश हूं, खासकर अपने आखिरी प्रयास में दूसरे सर्वश्रेष्ठ थ्रो से। यह एक कठिन शुरुआत थी, लेकिन वापसी वास्तव में अच्छी थी और मैंने जो लड़ाई का जज्बा दिखाया, उसका मैंने आनंद लिया।ष दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा, हालांकि मेरी शुरुआती थ्रो 80–83 मीटर के आसपास थी, लेकिन मैंने आखिरी दो प्रयासों में कड़ी मेहनत की और मजबूती से जीत हासिल की। इस उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए, मानसिक रूप से मजबूत बने रहना और संघर्ष करना महत्वपूर्ण है। पेरिस 2024 के कांस्य पदक विजेता एंडरसन पीटर्स ने अपने अंतिम प्रयास में 2015 में केशोर्न वाल्कोट के 90.16 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़कर नया मीट रिकॉर्ड बनाया और नीरज को शीर्ष स्थान से वंचित कर दिया। पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद इस महीने दूसरी बार, नीरज चोपड़ा को अपने करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बावजूद बाहर होना पड़ा। समर गेम्स में सिर्फ़ दो हफ़्ते पहले, पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर थ्रो के साथ नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया, एक बार फिर चोपड़ा को 90 मीटर के प्रयास से जीत से वंचित कर दिया। लुसाने में पीटर्स शुरू से ही सहज दिखे और 86.36 मीटर की मजबूत थ्रो के साथ शुरुआती मार्कर स्थापित किया, फिर दूसरे प्रयास में 88.49 मीटर के साथ इसे बेहतर बनाया। वेबर दूसरे प्रयास में 87.08 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचे और बाकी इवेंट में भी वहीं रहे। लौसाने लेग में दूसरे स्थान पर रहने के बाद, नीरज वर्तमान में ओवरऑल स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर हैं और सितंबर में ब्रुसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की मजबूत स्थिति में हैं। वह पिछले साल रजत पदक से संतोष करने से पहले 2022 में डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। लौसाने डायमंड लीग मीट नीरज चोपड़ा के लिए सीज़न की पांचवीं प्रतियोगिता थी। नीरज इस सीजन में चोट की समस्या से जूझ रहे हैं, खास तौर पर उनके एडक्टर में। उन्होंने माना कि इससे पेरिस 2024 ओलंपिक में उनके प्रदर्शन में बाधा आई। इससे पहले, उन्होंने एहतियात के तौर पर मई में ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से भी नाम वापस ले लिया था। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, ब्रुसेल्स डायमंड लीग फाइनल इस सत्र का उनका अंतिम इवेंट होगा।

बांग्लादेश के दिग्गज क्रिकेटर शाकिब अल हसन पर FIR, हत्या के लिए उकसाने का आरोप

ढाका। बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों से काफी बवाल देखने को मिला है। इसका असर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर भी देखने को मिला। बीसीबी के डायरेक्टर को इस्तीफा देना पड़ा, जबकि फारुक अहमद को नया बीसीबी अध्यक्ष बनाया गया। इतना ही नहीं, बांग्लादेश की टीम में भी आगे चलकर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान दौरे पर गए बांग्लादेश के दिग्गज क्रिकेटर और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन पर हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा है। मामला एक कपड़ा श्रमिक की हत्या से जुड़ा है।इसको लेकर उनके खिलाफ पुलिस थाने में मामला दर्ज भी किया गया है। मृतक रुबेल के पिता रफीकुल इस्लाम ने गुरुवार को ढाका के अदबोर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया। शाकिब इस मामले में 28वें आरोपी हैं। अन्य आरोपियों में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, ओबैदुल कादर और 154 अन्य शामिल हैं। करीब 400–500 अज्ञात लोग भी आरोपी हैं। केस स्टेटमेंट के अनुसार, पांच अगस्त को रुबेल ने अडाबोर में रिंग रोड पर एक विरोध मार्च में भाग लिया। रैली के दौरान, किसी ने कथित तौर पर एक योजनाबद्ध आपराधिक साजिश के तहत भीड़ में गोलियां चलाईं, जिसके परिणामस्वरूप रुबेल को छाती और पेट में गोली लगी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन सात अगस्त को उनकी मौत हो गई।

अंडर–17 विश्व चैंपियनशिपः भारतीय महिला पहलवान अदिति, नेहा, पुलकित और मानसी विश्व चैंपियन बनीं, जीते स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान अदिति कुमारी (43 किग्रा), नेहा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा) और मानसी लाठेर (73 किग्रा) गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित कैडेट्स टूर्नामेंट के अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अंडर–17 की विश्व चौंपियन बन गईं। इसके अलावा काजल (69 किग्रा) और श्रुतिका शिवाजी पाटिल (46 किग्रा) ने भी फाइनल में जगह बनाकर अपने पदक किए। उनके फाइनल मैच शुक्रवार को होंगे। भारत को इस चौंपियनशिप में और पदक मिल सकते हैं। राज बाला (40 किग्रा) कांस्य पदक के प्लेऑफ में खेलेंगे जबकि मुस्कान (53 किग्रा) और रंजिता (61 किग्रा) के पास भी रेपचेज राउंड के जरिए कांस्य पदक जीतने का मौका है। 49 किग्रा वर्ग में पहलवान नहीं उतारने के बावजूद भारत की महिला टीम ट्रॉफी जीतना अब तय माना जा रहा है।

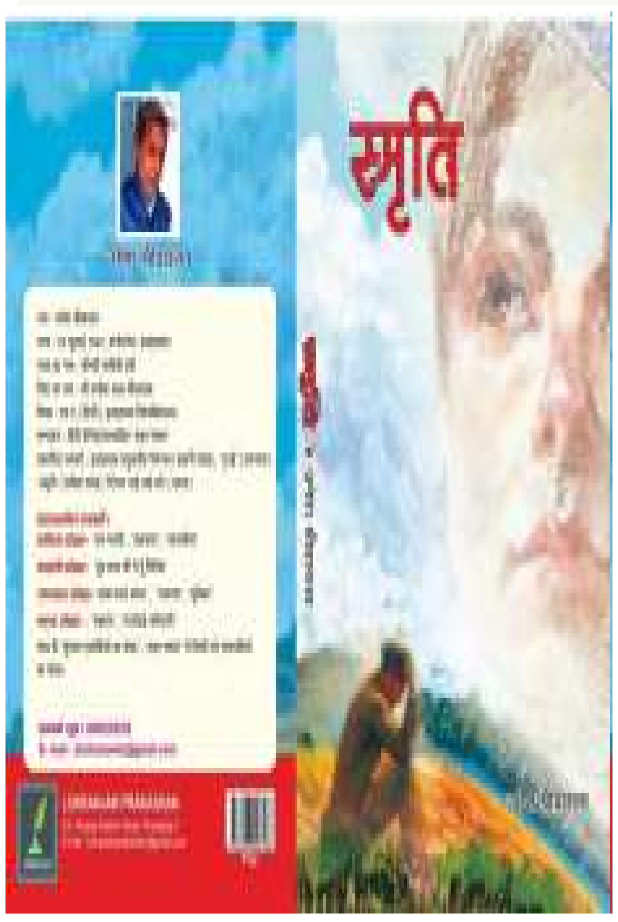

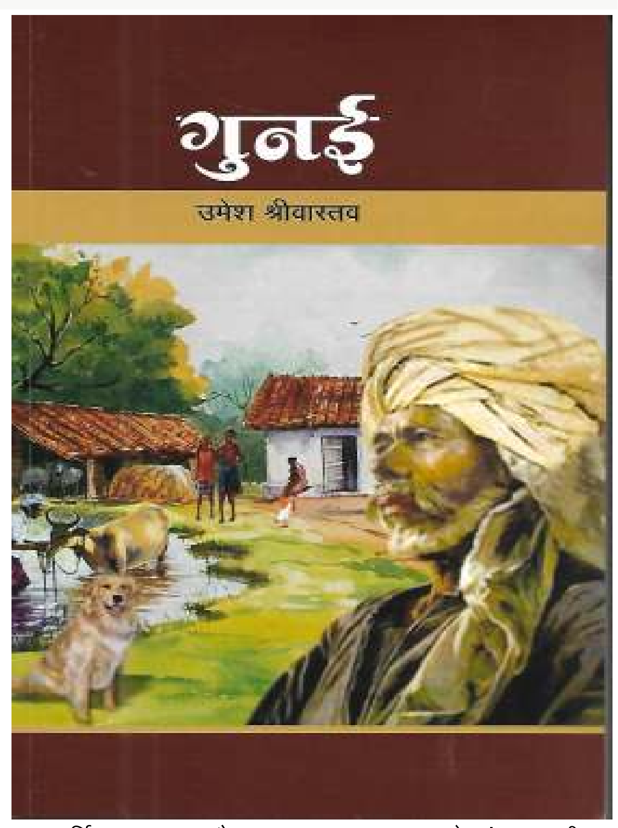

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

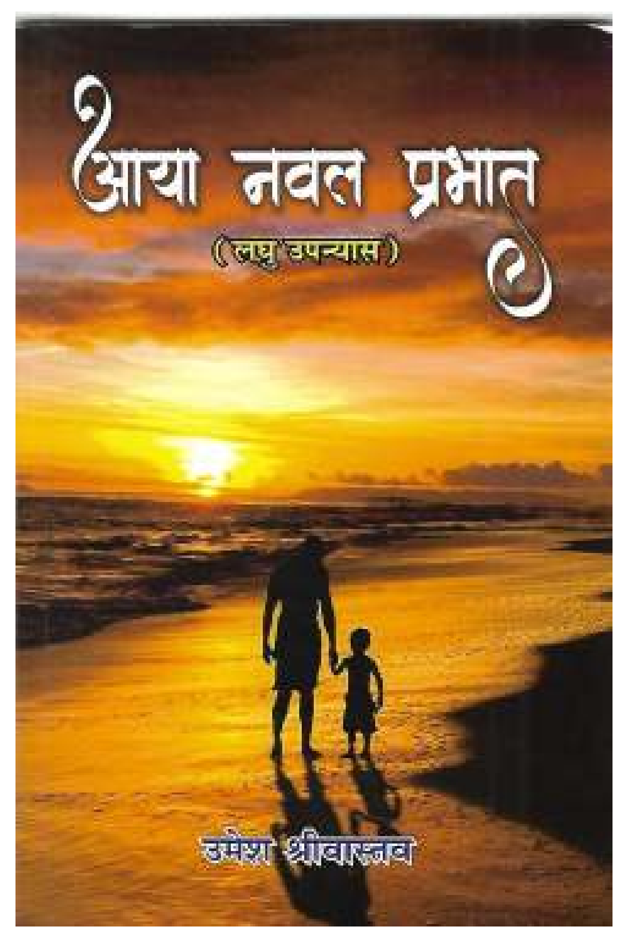

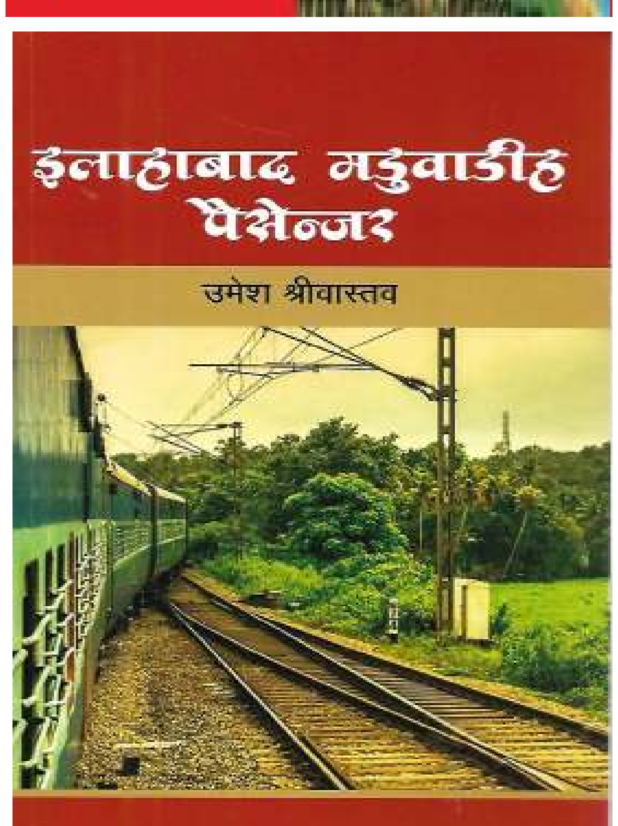

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

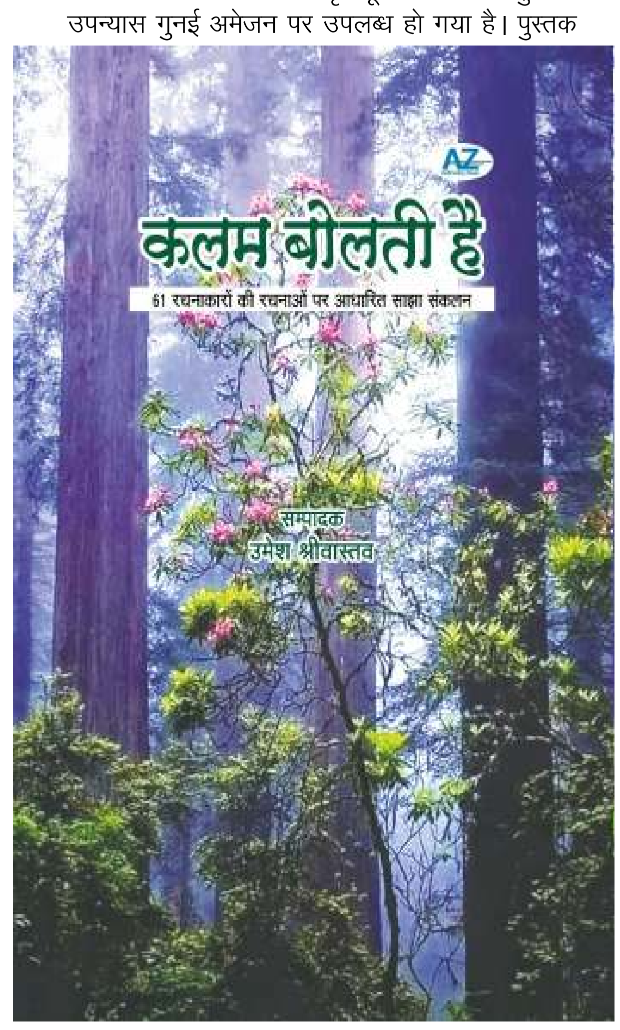

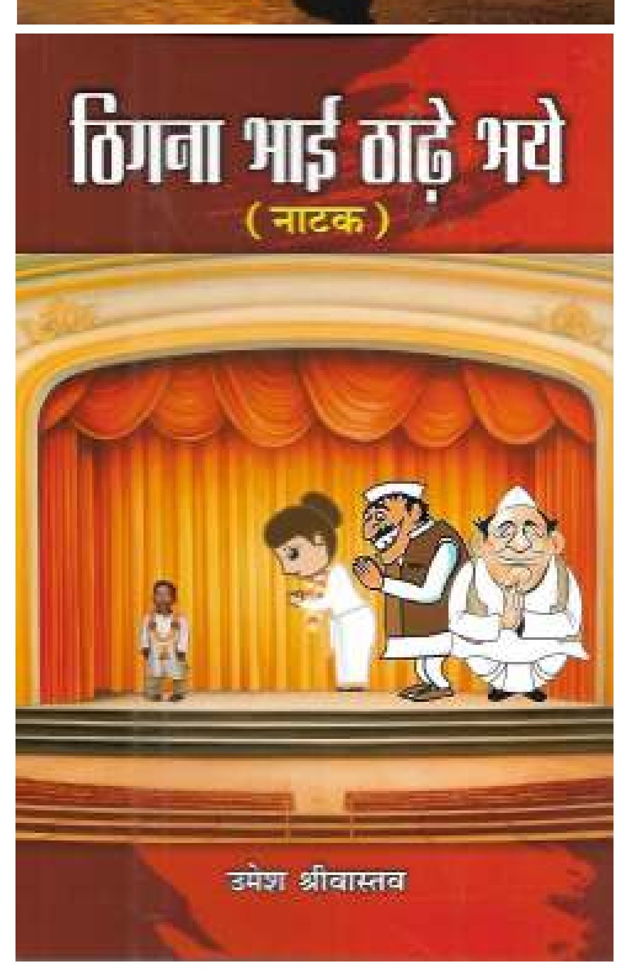

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ब्रिटेन के प्रौद्योगिकी कारोबारी माइक लिंच का शव जहाज के मलबे में मिला : तटरक्षक बल

ब्रिटेन के प्रौद्योगिकी कारोबारी माइक लिंच का शव सिसिली अपतटीय क्षेत्र में जहाज के मलबे से बरामद कर लिया गया। इटली के तटरक्षक बल ने बृहस्पतिवार को जानकारी दी। तटरक्षक बल ने बताया कि बचाव दल ने लिंच के अलावा चार

अन्य लोगों के शव भी बरामद किए हैं जबकि एक महिला अब भी लापता है। ब्रिटेन के झंडे वाला 56 मीटर लंबा जहाज 'बेयसियन' सोमवार सुबह तूफान के कारण तब डूब गया जब यह समुद्र तट से लगभग एक किलोमीटर दूर खड़ा था। नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि उनका मानना है कि जहाज तूफान में फंस जाने के कारण काफी तेजी से डूबता चला गया। जहाज पर सवार 22 लोगों में से 15 लोग बच गए। एक महिला ने अपने एक वर्षीय बच्चे को बचाने के लिए उसे लहरों के ऊपर उठा लिया और सुरक्षित बाहर आने में कामयाब रही। लिंच हाल ही में धोखाधड़ी के आरोपों से बरी होने के बाद उन लोगों के साथ जश्न मनाने गए थे, जिन्होंने मुकदमे में बचाव को लेकर उनकी मदद की थी। अहम बात यह है कि जहाज निर्माताओं ने कहा था कि यह कभी भी डूब नहीं सकता।

वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव जीतने के मादुरो के दावों का समर्थन किया

वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के इन दावों का समर्थन किया जिसमें उन्होंने कहा था कि वह पिछले माह हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मादुरो के बुरी तरह हारने की ऑनलाइन जारी

खबरें फर्जी हैं। यह फैसला मादुरो द्वारा विरोध प्रदर्शनों और अंतरराष्ट्रीय आलोचना को कमजोर करने का नवीनतम प्रयास है। 28 जुलाई को हुए मतदान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई थी। माना जाता है कि अदालत में मादुरो के अनेक करीबी हैं और उसने शायद ही कभी सरकार के खिलाफ फैसला सुनाया हो। मुख्य विपक्षी गठबंधन ने मादुरो पर वोटों में सेंध लगाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

भारत और अमेरिका के बीच सैन्य संबंध मजबूत : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष लॉयड ऑस्टिन के बैठक की पूर्व संध्या पर बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका और भारत के सैन्य संबंध बहुत मजबूत हैं। राजनाथ सिंह भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर बृहस्पतिवार सुबह वाशिंगटन पहुंचे। उनका शुक्रवार को ऑस्टिन से मुलाकात का कार्यक्रम है। पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "अमेरिका और भारत के बीच सैन्य संबंध मजबूत हैं।" सबरीना सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा, "आपने देखा है कि सहयोग न सिर्फ रक्षा विभाग के नजरिए से बल्कि प्रशासन के नजरिए से भी गहरा हुआ है। हमारे बीच निकट समन्वय बरकरार है और हमारा साथ मिलकर काम करना जारी है। (रक्षा) मंत्री (ऑस्टिन) जब भारत गए थे, तब उन्होंने इनमें से कुछ योजनाओं की घोषणा की थी।" उन्होंने कहा, "उस समय उन्होंने जो घोषणा की थी, मैं उस बारे में विस्तार से नहीं बताऊंगी, लेकिन यह (संबंध) मजबूत है।

'जितनी जल्दी हो सके लेबनान छोड़कर भागें', चीन ने नागरिकों को दी चेतावनी, इजरायल हमले में फिलिस्तीन कमान्डर के मारे जाने के बाद बदले हालात

चीन ने गुरुवार को लेबनान में अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके वहां से चले जाने का आग्रह किया, यह बात देश में इजरायली हमले में एक वरिष्ठ फिलिस्तीनी आतंकवादी के मारे जाने के एक दिन बाद कही गई। बेरूत में चीन के दूतावास ने कहा हाल ही में, लेबनान–इजरायल सीमा पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और लेबनान में सुरक्षा परिस्थितियाँ गंभीर और जटिल हैं। लेबनान के दक्षिण और नबातिह प्रांतों में यात्रा करने के लिए जोखिम का वर्तमान स्तर लाल (अत्यधिक उच्च जोखिम) है, और अन्य क्षेत्रों में नारंगी (उच्च जोखिम) है। बयान में लेबनान में चीनी नागरिकों को सलाह दी गई कि वे जब तक वाणिज्यिक उड़ानें चल रही हैं, तब तक इस अवसर का लाभ उठाकर चीन वापस लौट जाएँ या जितनी जल्दी हो सके देश छोड़ दें।

चीन ने अपने नागरिकों को लेबनान छोड़कर भागने के लिए बोला

बुधवार को लेबनान में इजरायली हमले में खलील अल–मकदाह की मौत हो गई, जिसे फिलिस्तीनी फतह आंदोलन ने देश में अपने सशस्त्र विंग के नेताओं में से एक के रूप में वर्णित किया है। हमले के कारण फतह ने आरोप लगाया कि इजरायल एक क्षेत्रीय युद्ध को भड़काने की कोशिश कर रहा है। यह घटना अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा गाजा में इजरायल–हमास युद्ध में संघर्ष विराम तक पहुंचने के उद्देश्य से मध्य पूर्व के दौरे को समाप्त करने के कुछ घंटों बाद हुई। अल–मकदाह की हत्या पहली बार है जब इजरायल ने गाजा युद्ध के दौरान लेबनानी आतंकवादियों, जिनमें से अधिकतर हिज़बुल्लाह के थे, के साथ 10 महीने से अधिक समय तक सीमा पार संघर्ष में फतह के एक वरिष्ठ सदस्य को निशाना बनाया है। इस महीने कई देशों ने अपने नागरिकों से लेबनान छोड़ने का आह्वान किया है, जहां हिजबुल्लाह स्थित है। चीनी दूतावास द्वारा गुरुवार को दिया गया बयान इस महीने की शुरुआत में नागरिकों से लेबनान की यात्रा करने पर "सावधानी से यात्रा" करने के आह्वान के बाद तत्काल कार्रवाई में वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। इजरायली सेना ने बुधवार को कहा कि उसने लेबनान की बेका घाटी में हिजबुल्लाह के हथियार भंडारण सुविधाओं पर रात भर बमबारी की, और हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में उत्तरी इजरायल के किबुत्ज़ में सैन्य चौकियों पर ड्रोन हमला किया। बेका घाटी हिजबुल्लाह का गढ़ है और इजरायल–लेबनान सीमा पर नवीनतम शत्रुता इस चिंता को बढ़ाएगी कि गाजा में इजराइल–हमास युद्ध एक व्यापक मध्य पूर्व संघर्ष में बदल सकता है। इजराइल ने यह भी कहा कि उसने दक्षिणी लेबनान के सिडोन में एक आतंकवादी को मार गिराया है, जो ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और तेहरान–गठबंधन वाले हिजबुल्लाह के साथ काम करता था। इजरायली सेना ने कहा कि उसके युद्धक विमानों ने बेका क्षेत्र में हिजबुल्लाह के कई हथियार भंडारण सुविधाओं पर हमला किया था। एक बयान में कहा गया, "हमलों के बाद, द्वितीयक विस्फोटों की पहचान की गई, जो उन सुविधाओं में बड़ी मात्रा में हथियारों की मौजूदगी का संकेत देते हैं, जिन पर हमला किया गया था।"

लेबनान में गोला–बारूद के गोदामों पर हमला

इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा– लेबनान में गोला–बारूद के गोदामों पर हमला किसी भी संभावित घटना की तैयारी है। लेबनान में सुरक्षा सूत्रों से तत्काल पुष्टि नहीं हुई कि मंगलवार को हथियार डिपो को निशाना बनाया गया था। सूत्रों ने कहा कि हमला बेका घाटी में पूर्वी शहर बालबेक के पास एक आवासीय क्षेत्र में किया गया था, जो मुख्य रूप से शिया मुसलमानों द्वारा बसा हुआ क्षेत्र है, जहाँ से हिज़बुल्लाह को अपना समर्थन मिलता है। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, हवाई हमलों में कम से कम दो लोग मारे गए और 19 घायल हो गए, लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि मारे गए लोग नागरिक थे या लड़ाके। हिज़बुल्लाह ने कहा कि उसने बेका पर हमले का बदला इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स में एक इजरायली सैन्य रसद स्थल पर कत्युशा रॉकेट दागकर और बाद में लेबनानी सीमा से लगभग 22 किमी (14 मील) दूर उत्तरी इजरायल में अमियाद के किबुत्ज़ में सैन्य चौकियों पर ड्रोन के झुंड को दागकर लिया। इज़रायली सेना ने कहा कि उसके हवाई सुरक्षा बलों ने कुछ ड्रोन को रोक लिया और अन्य ड्रोन क्षेत्र में ही गिर गए। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इज़रायल ने खत्म किया अपना एक और दुश्मन

इज़रायल ने कहा कि सिडोन में मारे गए आतंकवादी का नाम खलील हुसैन खलील अल–मकदाह था। दो फ़िलिस्तीनी सूत्रों ने पहले रॉयटर्स को बताया कि मकदाह मारा गया है, उसकी पहचान फ़िलिस्तीनी गुट फ़तह के सशस्त्र विंग के सदस्य के रूप में की गई है। हिज़्बुल्लाह और इज़रायली सेना पिछले 10 महीनों से गाजा युद्ध के समानांतर शत्रुता में उलझी हुई हैं। ईरान ने 31 जुलाई को तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीया की हत्या के बाद इज़रायल के खिलाफ़ जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी है, हालाँकि उसने अभी तक कोई सीधी कार्रवाई नहीं की है। जबकि अधिकांश गोलीबारी इज़रायल–लेबनान सीमा पर हुई है, कुछ इज़रायली हमले लेबनान में भी हुए हैं, जिसमें सीरिया की सीमा पर स्थित बेका घाटी भी शामिल है। रॉयटर्स के अनुसार, पिछले अक्टूबर में संघर्ष शुरू होने के बाद से लेबनान में 600 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं, जिनमें 400 से ज़्यादा हिज़्बुल्लाह लड़ाके और 132 नागरिक शामिल हैं। हाल ही में हथियारों के डिपो को निशाना बनाने की घटनाएं बढ़ी हैं। शनिवार को, इज़रायली सेना ने कहा कि उसने हवाई हमले में हिज़्बुल्लाह आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों के डिपो को निशाना बनाया। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने कहा कि इस घटना में दो बच्चों सहित कम से कम 10 सीरियाई नागरिक मारे गए।

कीव में समुदाय के लोगों से मिले पीएम मोदी, भारत माता की जय के लगे नारे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आखिरकार कीव पहुंच गए हैं और इस देश का दौरा करने वाले पहले भारतीय नेता बन गए हैं। पीएम मोदी रूस–यूक्रेन युद्ध में भारत की स्थिति को संतुलित करने के लिए यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ उच्च–स्तरीय वार्ता करने वाले हैं। 2022 में यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद यह भारत की ओर से पहली ऐसी उच्च स्तरीय यात्रा है, और मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक महीने बाद हो रही है, इस यात्रा की ज़ेलेंस्की ने आलोचना की थी। आज सुबह कीव पहुंचने पर प्रवासी भारतीयों ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी सुबह 7:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) कीव पहुंचे और भारतीय समुदाय से बातचीत की। उड़ान भरने के बजाय, उन्होंने ट्रेन फोर्स वन के माध्यम से 10 घंटे की यात्रा की, एक विशेष रूप से डिजाइन की गई उच्च सुरक्षा वाली ट्रेन जो कीव के माध्यम से एक आरामदायक यात्रा प्रदान करती है, जिसमें शानदार सुविधाएं और कार्यकारी स्तर के काम और विश्राम सुविधाएं शामिल हैं। युद्ध के कारण कीव को अपना हवाई क्षेत्र बंद करना पड़ा, इसलिए यात्रा के लिए ट्रेन को सबसे सुरक्षित विकल्प माना गया।

क्या रूस–यूक्रेन युद्ध में शांतिदूत की भूमिका निभाएगा भारत?

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपने पारंपरिक साझेदार रूस से तेल खरीद रोकने के पश्चिम के दबाव का विरोध किया है। रूस के साथ अपने मजबूत और सदियों पुराने संबंधों के बावजूद, भारत ने मार्च 2022 से यूक्रेन को मानवीय सहायता की कई खेप प्रदान करके और रूसी नेताओं द्वारा जारी परमाणु युद्ध की धमकियों पर चिंता व्यक्त करके अपनी कूटनीतिक सख्ती बनाए रखी है। हालाँकि, पीएम मोदी इस यात्रा का उपयोग संघर्ष में शांतिदूत के रूप में भारत की भूमिका तलाशने के लिए करने की संभावना नहीं है, जो कि कुछ लोगों ने अनुमान लगाया था कि रूस के साथ नई दिल्ली के संबंधों और वैश्विक स्तर पर उभरते कद को देखते हुए यह युद्ध की शुरुआत में ऐसा करेंगे। इस यात्रा को अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में काफी सराहना मिलने की संभावना है, जो जुलाई में पुतिन के साथ पीएम मोदी की मुलाकात के आलोचक रहे थे।

कोलकाता की घटना को लेकर ब्रिटेन में हुए विरोध प्रदर्शन, भारतीयों ने निकाला शांति मार्च

लंदन। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए। अब ब्रिटेन में भी इस घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों और प्रवासी संगठनों ने शांति मार्च निकाला। महिला संगठनों ने गुरुवार को लंदन में पार्लियामेंट स्क्वायर और ब्रिटेन के कई अन्य शहरों में महात्मा गांधी की

प्रतिमा पर शांति मार्च आयोजित किया।

लिवरपूल में हुआ विरोध प्रदर्शन का आयोजन

कोलकाता की घटना के विरोध में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया – यूनाइटेड किंगडम (एसएफआई–यूके) ने बुधवार को लिवरपूल शहर में एक मार्च का आयोजन किया। इस दौरान लोगों ने मोमबत्तियां जलाई और महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण का आह्वान किया। मेडिकोज वूमेन चौरिटी की डॉ. दीप्ति जैन ने कहा, हमें पूरी दुनिया से भारी समर्थन मिला है, जिससे साबित होता है कि अब समय आ गया है कि हम जागें, ध्यान दें, अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठें और इस मुद्दे के प्रति समर्थन और एकजुटता दिखाने के हमारे प्रयास में साथ आएं।

यह सभी छात्रों की सुरक्षा का मामला

एसएफआई–यूके संगठन के कार्यकर्ता और लिवरपूल विश्वविद्यालय में मास्टर्स के छात्र रौनक भट्टाचार्जी ने कहा, इस सभा ने कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने हमारे उद्देश्य को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने के लिए रुक गए। यह केवल एक मामले के बारे में नहीं है। यह सभी छात्रों की सुरक्षा, संस्थानों की जवाबदेही और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के बारे में है। हम इस भयानक अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए तत्काल और सख्त सजा की मांग करते हैं। उल्लेखनीय है कि 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सेमिनार हॉल में ड्यूटी के दौरान 31 वर्षीय जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

वैदिक मंत्रों से हुई सम्मेलन की शुरुआत, क्लिंटन बोले- ट्रंप मैं-मैं करते हैं, कमला हैरिस लोगों की सेवा

वॉशिंगटन। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के तीसरे दिन की शुरुआत वैदिक प्रार्थनाओं से हुई। एक हिंदू पुजारी राकेश भट्ट ने मंच पर मंत्रोच्चार किया और साथ ही उनका अर्थ भी समझाया। तीसरे दिन भारतीय मूल के अमेरिकी सीईओ मिनी तिम्माराजू ने भी मतदाताओं से कमला हैरिस को अगला राष्ट्रपति चुनने की अपील की। तिम्माराजू ने चेताया कि डोनाल्ड ट्रंप के शासन में महिलाओं के अधिकार खतरे में पड़ सकते हैं।

बिल क्लिंटन ने भी किया संबोधित

डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के तीसरे दिन पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने भी संबोधन दिया। अपने संबोधन में क्लिंटन ने कमला हैरिस की जमकर तारीफ की। बिल क्लिंटन ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ने के मुश्किल फैसले के लिए जो बाइडन को भी सराहा। ट्रंप पर निशाना साधते हुए क्लिंटन ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ मैं, मैं करते हैं। अगली बार जब आप उन्हें सुनें तो इस पर ध्यान दें कि वह कितनी बार अपना जिक्र करते हैं। क्लिंटन ने कहा कि अगली बार आप उनके झूठ सनने के बजाय इस पर ध्यान दीजिएगा कि वह कितनी बार अपना जिक्र करते हैं।

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक, दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक | दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के थोक विक्रेता
8726413990, 9451484717

कनक हॉस्पिटल
24 घंटे
एम्बुलेंस सुविधा
ICU NICU OT/C-arm
08090876928
08737991021
0532-2971697
511, चेतनपुरी कालोनी, कोहना, झूँसी (निकट क्रिया रोग संस्थान), प्रयागराज (उ.प्र.)

KAMLA HOSPITAL
झूंसी कोहना, निकट शास्त्री ब्रिज, प्रयागराज
डॉ॰ सुनील विश्वकर्मा
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
Contact :- 0532-2971619, 8840346602

दाँत का अस्पताल
जे.पी. मेमोरियल डेन्टल क्लीनिक
डा. ए.के. वर्मा B.D.S, MIDA
डा. एस.के. वर्मा (दन्त चिकित्सक)
समय : सुबह 10.00 बजे से रात्रि 9.00 तक
Mob.: 9415831236, 9335524400

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।